हरिभूमि

शौर्य भूमि

मंडला| अंजिनया | भुआबिछिया | बम्हनीबंजर | नैनपुर | निवास | बीजाडांडी

जबलपुर, शुक्रवार 9 जनवरी 2026

login : www.haribhoomi.com

खबर संक्षेप

दो पहिया वाहन चलाते समय हेलमेट पहनने के निर्देश

मण्डला। मोटरयान अधिनियम 1988 की धारा 129 में यह प्रावधानित है कि किसी वर्ग या वर्णन की मोटर सायकिल को चलाने वाला या उस पर सवारी करने वाला प्रत्येक व्यक्ति, जब किसी सार्वजनिक स्थान पर हो, हेलमेट जो भारतीय मानक ब्यूरो के मानकों के समरूप हो पहनेगा। उपरोक्त प्रावधानों से यह स्पष्ट है कि दो पहिया वाहन क्रय करते समय क्रेता को हेलमेट खरीदना होगा। यह हेलमेट वाहन निर्माता द्वारा प्रदाय किया जायेगा। हेलमेट खरीदने के प्रमाण के बिना दो पहिया वाहनों का पंजीकरण न किए जाने के संबंध में प्रदेश के समस्त परिवहन अधिकारियों को प्रमुख सचिव, म.प्र. शासन परिवहन विभाग के क्रमांक एफ 22-41/2011/8, दिनांक 05.09.2014 द्वारा निर्देश जारी किए जाने के बावजूद इन निर्देशों का कड़ाई से पालन नहीं किया जा रहा है। सड़क दुर्घटनाओं को दृष्टिगत समस्त शासकीय कार्यालयों में दो पहिया वाहनों से आने वाले समस्त कर्मचारियों को निर्देशित किया जाता है कि वे भारतीय मानक ब्यूरो के मानकों के समरूप हेलमेट पहनकर कार्यालय आना सुनिश्चित करें। कार्यालय में आने वाले कर्मचारियों द्वारा उक्त निर्देशों का पालन नहीं किए जाने पर कार्यालय प्रमुख को पहले चेतावनी व समझाईश दी जाकर छोड़ दिया जाए तथा दूसरी बार उल्लंघन करने पर अर्थदण्ड अधिरोपित किया जाए। समस्त कार्यालय प्रमुख अपने अधीनस्थ कर्मचारियों को जारी निर्देशों से अवगत कराएं तथा 12 जनवरी 2026 से पूर्णतः पालन कराना सुनिश्चित कराएं।

कलेक्टर्स वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग 14 जनवरी को

मण्डला। कमिश्नर जबलपुर द्वारा कलेक्टर्स की वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग 14 जनवरी को शाम 5 बजे आयोजित की जायेगी। कलेक्टर्स वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में आयोजित वीसी के कार्यवाही विवरण का पालन प्रतिवेदन, राजस्व एवं सामान्य प्रशासन, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग, कृषि विभाग एवं संबद्ध विभाग, नगरीय प्रशासन विभाग एवं निर्माण कार्य की समीक्षा की जायेगी।

अतिथि शिक्षक घोटाला एवं एकलव्य आवासीय विद्यालय की जांच पर आयेगी आँच?

क्या जांच से बचने रचा गया प्रपंच?

*** सवालों के घेरे में अध्यापक संघ।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

जिले की शिक्षा व्यवस्था में जिस तरह की साजिशों का दौर चल रहा है यह पिछले कुछ समय में हुए घटनाक्रमों से समझा जा सकता है पहले बिना वरिष्ठता देखे अपने चहेतों को विभिन्न विकास खंडों का विकासखंड शिक्षा अधिकारी बना दिया जाता है जब विरोध होता है तो फैसला वापस लिए जाने की बात कही जाती है लेकिन राजनीतिक एवं आर्थिक दबाव के चलते फैसला वापस नहीं लिए जाते मजबूर लोगों को न्यायालय की शरण में जाना पड़ता है और फिर न्यायालय के आदेश के बाद जो आधारहीन आदेश जारी किए गए थे उन्हें वापस लिया जाता है लेकिन दूसरे भी कहां हार मानने वाले थे वे भी तिकड़म भिड़ा कर स्टे आर्डर ले आते हैं और यह रस्सा कशी चलती रहती है बाद में न्यायालय के आदेश के बाद अंतत प्रशासन को झुकना पड़ता है और वरिष्ठता के आधार पर ही विकासखंड शिक्षा अधिकारी नियुक्त किए जाते हैं।

बस इसी प्रक्रिया का फायदा उठाते हुए एक दूसरे विकासखंड शिक्षा अधिकारी ने जिन्होंने 2020 में स्वयं इस पद पर काम ना कर पाने की असमर्थता जताते हुए इस पद से मुक्त करने प्रशासन से गुहार लगाई थी उन्हें उनकी मंशा अनुसार मुक्त भी कर दिया गया था लेकिन सूत्रों की माने तो कहानी कुछ और ही थी उनके द्वारा इतनी वित्तीय अनियमिता की गई थी कि जांच खड़ी हो सकती थी लेकिन बाद में तात्कालीन विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी ने मामले को जांचा भी था लेकिन किसी तरह जांच प्रतिवेदन सार्वजनिक नहीं होने दिया गया और अनिमियतता के माले में लेखापाल पर ही पूरी गाज गिरा दी गई लेखापाल को निलंबित कर दिया गया अब इन महाशय के पास जो दो प्रभार थे उन पर भी जब अनुविभागीय दंडाधिकारी ने जांच

की तो लंबा चौड़ा घपला सामने आया और जब लगने लगा कि अब नहीं बचने वाले तो साजिशों का दौर प्रारंभ हुआ पहले व्यवस्था से परेशान अध्यापकों को अपने पाले में लिया गया और जो शिक्षक एसडीएम के लगातार दौरे से परेशान थे उन्हें भी साथ लिया गया क्योंकि एसडीएम लगातार शालाओं का भ्रमण करतीं थीं कम श्रेणी के विद्यार्थियों पर ज्यादा मेहनत कर उन्हें उच्च श्रेणी में लाने का उनका प्रयोग सार्थक भी हो रहा था लेकिन इसमें उन शिक्षकों की कलई खुल रही थी जिनकी लापरवाही से अध्ययन कार्य प्रभावित हो रहा था और इन बच्चों की ऐसी स्थिति दयनीय होती जा रही थी अब एसडीएम का तो विरोध कर नहीं सकते लिहाजा उनके साथ जो विकासखंड शिक्षा अधिकारी निरीक्षण में आते थे उन्हें निपटाने का ही प्लान बनाया गया अध्यापक संघ को इसके लिए मोहरा बनाया गया संघ के कुछ पदाधिकारियों की नियुक्ति का मामला भी इन विकासखंड शिक्षा अधिकारी के विचाराधीन था जो नहीं हो पा रहा था उन्हें आगे कर विकासखंड शिक्षा अधिकारी के खिलाफ मोर्चा खोला गया और जिला प्रशासन से विकासखंड शिक्षा अधिकारी कुलदीप कटहल को हटाने से संबंधित ज्ञापन दिया गया साथ ही चेतावनी भी दी गई कि यदि नहीं हटाया गया तो धरना प्रदर्शन आंदोलन किया जाएगा क्योंकि अध्यापक संघ के साथ कुछ अतिथि शिक्षकों का ग्रुप भी था जो पहले के विकासखंड शिक्षा अधिकारी के समय में नियुक्त किए गए थे और बाद में विकास विकासखंड शिक्षा अधिकारी कुलदीप कटहल ने इनकी जांच की तो यह स्कूल आते ही नहीं थे यहां तक की बच्चे इन्हें पहचानते भी नहीं थे लिहाजा घर बैठे वेतन लेने वाले इन अतिथि शिक्षकों के विरुद्ध कार्यवाही की गई इससे इनका भी आक्रोश पुराने विकासखंड शिक्षा अधिकारी कुलदीप कटहल के विरुद्ध समझ में आता है इस तरह से सभी ने मिलकर एक अच्छी प्रशासनिक व्यवस्था दे रहे विकासखंड शिक्षा अधिकारी के विरुद्ध मोर्चा खोल दिया और इसका असर भी सामने आया जब सहायक आयुक्त को न्यायालय आदेश की आड़ लेकर आतम जीत सिंह को ही विकासखंड शिक्षा अधिकारी के पद पर नियुक्त करना पड़ा

अब यदि कुलदीप कटहल का विरोध किया गया तो उनकी जगह किसी और को भी विकासखंड शिक्षा अधिकारी बिछिया बनाया जा सकता था लेकिन पूर्व में विवादों में घिरे रहे व्यक्ति को जिनके पास पहले से ही दो प्रभार है उन्हें ही विकासखंड शिक्षा अधिकारी बिछिया पद पर पदस्थ करना कहीं से भी लोगों को हजम नहीं हो रहा जबकि उन्होंने इस पद के प्रति काम ना करने की इच्छा जताते हुए प्रशासन को पत्र भी लिखा था अब ऐसी कौन सी जादू की छड़ी इनके पास आ गई है कि यह अब तीन-तीन प्रभार संभालने की हैसियत में आ गए हैं यदि कुलदीप कटहल का व्यवहार या उनकी कार्यप्रणाली शिक्षकों की विपरीत थी तो उन्हें डीपीसी के पद पर प्रशासन ने क्या समझ कर बैठाया है और उनके प्रति सिर्फ बिछिया विकासखंड के शिक्षकों का ही आक्रोशित होना समझ से परे है जबकि आज की स्थिति में जिले के सभी शिक्षकों के हित जुड़े हुए हैं यदि नाराजगी थी तो पूरे जिले में होनी चाहिए थी क्योंकि अध्यापक संघ तो पूरे जिले का प्रतिनिधित्व करता है वह सिर्फ इस मांग पर क्यों अड़ा रहा कि विकासखंड शिक्षा अधिकारी का प्रभार इनसे ले लिया जाए यह मांग कहीं से भी अध्यापक संघ के लिए न्याय उचित नहीं हो सकती इसके पीछे एक बड़ा षड्यंत्र है जो की आने वाले दिनों में सार्वजनिक होगा क्योंकि विभाग के ही लोगों का मानना है कि ऐसे कुछ वीडियो एवं रिकॉर्डिंग मौजूद है जो इन संघ के पदाधिकारी एवं अधिकारियों के बीच उस दौरान जो कुछ भी घटा है इसकी पुष्टि करती हैं क्या पुराने समय में हुई जांच भी फिर से सामने आएगी क्या एकलव्य आवासीय विद्यालय में जो वित्तीय अनियमिताएं की गई है वे सार्वजनिक होगी और क्या शिक्षकों के हितार्थ बना संघ जो कुछ शिक्षकों के हित के लिए ही काम करता नजर आ रहा है उसकी विश्वसनीयता भी प्रभावित होगी ऐसे बहुत से प्रश्न है जो अभी भविष्य के गर्भ में है देखना होगा इनका पदार्पण क्या रंग लाता है?

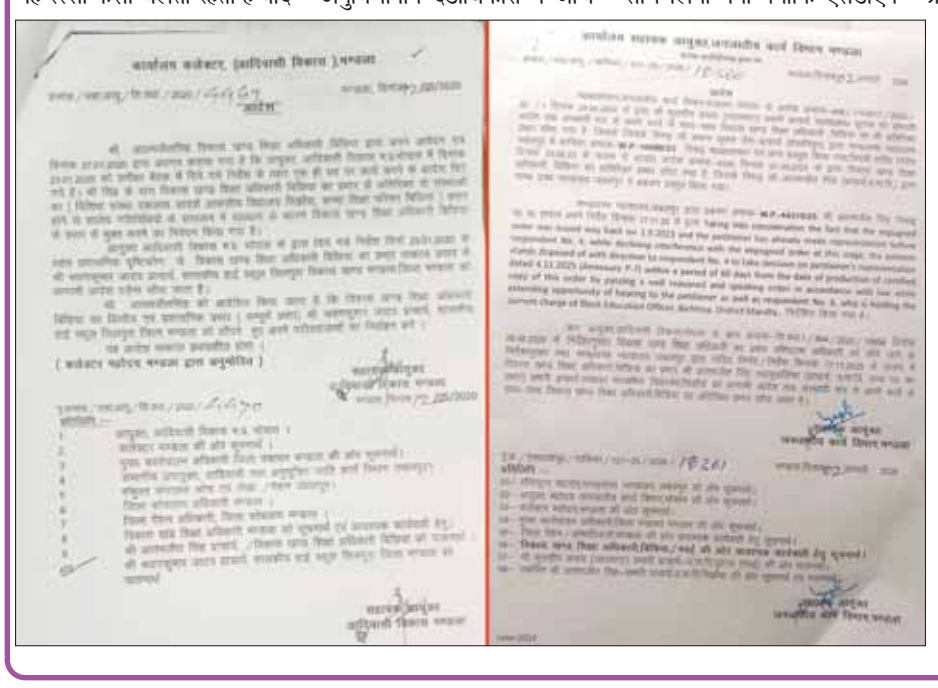

मवेशी चराने गए दो बालक की करंट की चपेट में आ जाने से एक की मौत एक गंभीर

भुआबिछिया। बिछिया थाना अंतर्गत ग्राम खलोड़ी में जानवरों को फंसाने बिछाए गए करंट तार लगने से करेंट लगने से एक 17 वर्षीय बच्चे की मौत हो गई, जबकि दूसरा बच्चा घायल हो गया। यह घटना मंगलवार शाम की बताई गई। मंगलवार को जब दो बालक जंगल से मवेशी चराकर लौट रहे थे लौटते समय रस्ते में शिकारी के द्वारा जानवरो के शिकार के लिए बिछाई गई करंट की तार जिसकी चपेट में मवेशी चराकर लौट रहे दो बालक फंस गए और करेंट की चपेट मैं आने से एक बालक की मौत हो गई, मृतक की पहचान नीलेश मरावी उम्र (17) वर्ष के रूप में की गई, जबकि दूसरा लवकेश आर्मो उम्र (15)वर्ष घायल हुआ है। दोनों ग्राम पंचायत खलोड़ी के निवासी हैं। वे जंगल से मवेशी चराकर लौटते समय एक खेत के पास वन्य जीवों के शिकार के लिए बिछाए गए बिजली के तार की चपेट में आ गए। इस दुर्घटना में नीलेश मरावी ने मौके पर ही दम तोड़ दिया, वहीं घायल लवकेश आर्मो को बिछिया अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां उसका उपचार चल रहा है। थाना बिछिया के एसआई प्रवीण मालवीय ने बताया कि सूचना मिलने के बाद अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ बीएनएस की धारा 105 के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

एमपी ई-सेवा पोर्टल एवं मोबाईल ऐप के माध्यम से नागरिक घर बैठे प्राप्त कर सकेंगे शासकीय विभागों की सेवाएं

मण्डला। राज्य शासन की डिजिटल पहल एमपी ई-सेवा पोर्टल एवं मोबाईल ऐप पर नागरिक घर बैठे ही सभी विभागों की सेवाएं एक ही प्लेटफार्म पर प्राप्त कर सकेंगे। एमपी ई-सेवा पोर्टल एवं मोबाईल ऐप का मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा मध्यप्रदेश के स्थापना दिवस पर शुभारंभ किया था। इस एकीकृत नागरिक सेवा मंच पर राज्य शासन के सभी विभागों की सरकारी सेवाओं और योजनाओं को एक ही डिजिटल विंडो पर उपलब्ध कराया गया है। जिला प्रबंधक ई-गवर्नेंस सोसायटी, श्री शैलेष यादव से प्राप्त जानकारी के अनुसार मध्यप्रदेश राज्य इलेक्ट्रॉनिक्स विकास निगम के सेंटर फॉर एक्सीलेंस द्वारा विकसित एमपी ई-सेवा पोर्टल पर राज्य शासन के 56 विभागों की 1700 से अधिक नागरिक सेवाओं को एकीकृत किया गया है। नागरिकों को इन सेवाओं को प्राप्त करने के लिए अलग वेबसाइट पर लॉगइन करने और बार-बार दस्तावेज जमा करने की आवश्यकता नहीं होगी। नागरिक घर बैठे इन सुविधाओं को प्राप्त करने के लिए पोर्टल पर ऑनलाईन आवेदन कर सकेंगे। इसके अलावा नागरिक मेमअंण्उचण्हवअण्पद और मोबाइल ऐप के माध्यम से सभी सेवाओं के लिए अपनी पात्रता की जांच कर सकेंगे तथा आवेदन का स्टेटस भी देख सकेंगे। एमपी ई-सेवा पोर्टल पर लॉगइन करने के लिए नागरिकों को अपना प्रोफाईल पंजीयन करना होगा। पोर्टल के माध्यम से नागरिकों को चाही गई सेवाएं निर्धारित समय सीमा के भीतर उपलब्ध होगी। जिला ई-गवर्नेंस सोसायटी प्रबंधक ने बताया कि पोर्टल पर सभी चरण आधार आधारित प्रमाणीकरण, ई-साइन और डिजिटल प्रमाणपत्र से सुरक्षित होंगे। 'एमपी ई-सेवा' और 'समग्र पोर्टल' का एकीकरण 'एमपी ई-सेवा' को समग्र सामाजिक सुरक्षा मिशन के समग्र पोर्टल से जोड़ा गया है। प्रत्येक परिवार को 8-अंकीय परिवार आईडी और हर सदस्य को 9-अंकीय सदस्य आईडी दी गई है। यह एकीकरण नागरिकों की ऑटो-वेरिफिकेशन प्रक्रिया को सक्षम बनाता है, जिससे पात्रता की पहचान स्वतः ही हो जाती है और दोहराव अथवा देरी नहीं होती है। एमपी ई-सेवा में नागरिकों को बार-बार दस्तावेज़ अपलोड नहीं करने पड़ते। ऑटो-फेचिंग डॉक्युमेंट्स इसकी प्रमुख विशेषता है। इससे एक बार अपलोड किए गए दस्तावेज़ आगे की सभी सेवाओं में स्वतः उपलब्ध हो जाते हैं। सुगम, सुरक्षित और नागरिक केंद्रित ऐप डिज़ाइन एमपी ई-सेवा पोर्टल का इंटरफ़ेस मोबाइल-फर्स्ट दृष्टिकोण पर आधारित है। इसमें बहुभाषीय सुविधा उपलब्ध कराई गई है।

लोक परिसर शासकीय जमीन से बेदखल कर अतिक्रमण हटाया गया

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला/नारायणगंज

जनपद पंचायत नारायणगंज के अंतर्गत ग्राम पंचायत पड़रिया उर्फ नारायणगंज न्यायालय अनुभव अधिकारी राजस्व निवास के मामला क्रमांक 0074 एवं 0121/2025-26 दिनांक 30दिसंबर2025 के आदेश अनुसार न्यायालय तहसीलदार नारायणगंज के पत्र क्रमांक 736 2026 आदेश दिनांक 5 जनवरी 2026 गठित दल द्वारा ग्राम पंचायत पड़रिया उर्फ नारायणगंज पटवारी हल्का क्रमांक 44 राजस्व विभाग तहसील नारायणगंज में भूमि खसरा नंबर 332 रखवा 0.70 है मद आबादी शासकीय प्लांट 225 रखवा 64 वर्ग फीट में समिति भवन बना है उनमें से दो कमरे विजय अग्रवाल पिता रामलाल अग्रवाल एवं भवन के दो कमरे में बलवंत रेवाराम पिता लक्ष्मी प्रसाद नामदेव द्वारा अवैध कब तक कराया कर शासकीय जमीन में कब्जा किया प्रयोजन में एवं व्यवसायिक प्रयोजन हेतु उपयोग किया जा रहा था बेदखली आदेश पारित होने के पश्चात हल्का पटवारी एवं राजस्व निरीक्षक द्वारा दिनांक 6 जनवरी 2026 को नोटिस जारी करने की पश्चात आज दिनांक 8 जनवरी 2026 को कब्जा धारी ग्राम पंचायत पंच सरपंच सचिव पुलिस बल टिकरिया एवं मंडला की उपस्थिति में कब्जा हटाया गया बलवंत रेवाराम पिता लक्ष्मी प्रसाद नामदेव के अवैध कब जे के कमरे में रखे हुए सामान की मौके पर सूची बनाई गई एवं सामान को सूची अनुसार परिवहन कर ग्राम पंचायत भवन के कमरे में रखा गया ग्राम पंचायत में रखाव के समय वहां भी सूची बनाई गई बलवंत रेवाराम में पिता लक्ष्मी प्रसाद के अवैध कब्जा वाले कमरे को खाली करा कर दरवाजे में ताला लगाकर सील कर चाबी सरपंच एवं सचिव की दी गई इसी प्रकार बलवंत रेवाराम पिता लक्ष्मी प्रसाद का सामान जो की ग्राम पंचायत में रखा हुआ है बलवंत एवं रेवाराम को बनाई गई सूची के अनुसार दी किया जा जाकर कमरे में ताला लगाकर सील कर चाबी सरपंच सचिव को सपोर्ट की गई बलवंत रेवाराम द्वारा मौके पर कहा गया की चार दिवस के अंदर सामान का उठाव कर लेंगे इससे ग्राम पंचायत द्वारा सहमति जताई गई मौके पर अधिक्षणसर सभी कब्जा हटा लिया गया है अब कोई भी विवाद नहीं है हम मौके पर उपस्थित होकर सभी ग्रामवासी उपस्थित अधिकारी कर्मचारी पुलिस बल ग्राम कोटवार ग्राम पंचनामा की सत्य है ज्ञात होने की विगत कई वर्षों से ग्राम पंचायत पड़रिया एवं नारायणगंज में शासकीय जमीन पर अवैध कब्जा जमाए हुए हैं जिस पर कई बार पंचायत द्वारा नोटिस जारी किया गया परंतु वहां से कब्जाधारी द्वारा खाली नहीं कराया गया न्यायालय के आदेश अनुसार 8 जनवरी को सुबह 10:00 बजे बेदखली की कार्रवाई की गई जिसमें तहसीलदार संगम पटले आर आई गणेश प्रसाद सिंगौर पटवारी धर्मेंद्र आर्मी एवं तहसील के सभी कोटवार एवं पटवारी उपस्थित रहे पुलिस बल में थाना प्रभारी गोपाल घोसले मंडला और टिकरिया थाने का स्टाफ उपस्थित रहा सरपंच राजकुमार तेकाम सचिव अभिषेक शर्मा उपसरपंच विवेक सोनी ग्राम के गणमान्य वरिष्ठ नागरिक एवं पंचों की उपस्थिति रही।

जायजा | मकर संक्रांति पर्व को लेकर संगम घाट पर चाक-चौबंद व्यवस्थाएँ।

श्रद्धालुओं की सुविधा व सुरक्षा को प्राथमिकता

*** मंत्री श्रीमती उइके ने किया अवलोकन।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

मकर संक्रांति के पावन पर्व के अवसर पर संगम घाट पर आने वाले लाखों श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षा एवं सुव्यवस्था सुनिश्चित करने के उद्देश्य से लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री श्रीमती संपतिया उइके द्वारा संगम घाट पहुंचकर व्यवस्थाओं का अवलोकन किया गया। इस दौरान प्रशासन द्वारा की गई तैयारियों को देखा और आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। मंत्री श्रीमती उइके ने नर्मदा परिक्रमावासियों को रात्रि में यहां विश्राम करने में कोई असुविधा न हो एवं कड़ाके की ठंड से राहत मिले इसके लिए कंबल भी वितरित किए।

घाट परिसर एवं आसपास के क्षेत्रों में विशेष स्वच्छता अभियान चलाया जा रहा है। साफ-सफाई के लिए अतिरिक्त कर्मचारियों की तैनाती की गई है, ताकि पर्व के दौरान स्वच्छ एवं पवित्र वातावरण बना रहे। नर्मदा नदी की स्वच्छता बनाए रखने के उद्देश्य से नदी में साबुन, शैम्पू अथवा अन्य रासायनिक पदार्थों के उपयोग पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया गया है। धार्मिक परंपराओं को सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए मुंडन संस्कार, पूजन-अर्चन तथा भजन-कीर्तन करने वाली मंडलियों के लिए पृथक-पृथक स्थान निर्धारित किए गए हैं। इससे विभिन्न धार्मिक गतिविधियाँ बिना किसी अव्यवस्था के श्रद्धा भाव से संपन्न हो सकेंगी।

नौका विहार की सुविधा का लाभ लेने वाले श्रद्धालुओं की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए सभी नाव संचालकों को नावों में अनिवार्य रूप से लाइफ जैकेट रखने के निर्देश दिए गए हैं। बिना सुरक्षा मानकों के नौका संचालन पर सख्ती से रोक रहेगी। नर्मदा नदी की गहराई के संकेतक भी लगाए जा रहे हैं। मेला स्थल और घाट पर बेरिकेटिंग भी की गई है।

श्रद्धालुओं को समय-समय पर आवश्यक दिशा-निर्देश, सुरक्षा संबंधी सूचनाएँ एवं प्रशासनिक अपीलें देने के लिए पब्लिक एड्रेस सिस्टम के माध्यम से लगातार अनाउंसमेंट किए जा रहे हैं। कड़ाके की ठंड को देखते हुए संगम घाट परिसर में रुकने वाले श्रद्धालुओं के लिए कंबल की भी व्यवस्था की गई है, ताकि किसी को असुविधा न हो। साथ ही, आवश्यक व्यवस्थाओं पर प्रशासनिक अमले की लगातार निगरानी रखी जा रही है।

निरीक्षण के दौरान मंत्री श्रीमती उइके ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि श्रद्धालुओं की आस्था, सुरक्षा और सुविधा से किसी भी प्रकार का समझौता न हो तथा मकर संक्रांति पर्व शांतिपूर्ण, सुव्यवस्थित एवं श्रद्धा के वातावरण में संपन्न कराया जाए।

खबर संक्षेप

बीआरसी ने किया शिक्षण संस्थाओं का निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज/सांईखेड़ा। जनपद शिक्षा केंद्र साईखेड़ा के बीआरसी संदीप स्थापक ने बीते हुये दिवस ब्लॉक साईखेड़ा के अंतर्गत विभिन्न शालाओं का अचानक पहुंचकर निरीक्षण करते हुये शालेय व्यवस्थाओ का जायजा लिया। बताया जाता है कि इस दौरान उन्होंने ग्राम कैलकच्छ में प्राथमिक शाला भवन के निर्माण कार्य को देखा एवं माध्यमिक शाला का अवलोकन किया गया। वही ग्राम चामचोन की शासकीय माध्यमिक शाला में गणित एवं बगदरा की माध्यमिक शाला में अंग्रेजी विषय के अध्यापन को देखा एवं सायंकालीन सभा में शामिल हुए। इस निरीक्षण के दौरान स्थापक ने एटग्रेड अभ्यास पुस्तिकाओ के नियमित रूप से जांच किये जाने के निर्देश दिये। इस दौरान उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों में शैक्षणिक गुणवत्ता का विकास हो एवं उनमे विषय के प्रति समझ विकसित हो ऐसा उद्देश्य लेकर सभी कार्य करें। निरीक्षण के दौरान जनशिक्षक बनवारी लाल नागवंशी,शालेय स्टॉफ एवं विद्यार्थियों की उपस्थिति रही।

अनेक गांवों में गरीबी के हकदारों को नहीं मिलें नीले राशन कार्ड

हरिभूमि न्यूज/सांईखेड़ा। म. प्र. सरकार ने गरीबो के हित में अनेक योजनाएँ संचालित की हैं किन्तु विडम्बना की बात है इन योजनाओं का लाभ या तों अशिक्षित होने से गरीब नही उठा पाते या शासकीय कर्मचारियों की लापरवाही के चलते गरीबों को प्रदेश सरकार द्वारा दी जा रही सुविधाओं से वंचित कर दिया जाता है? इस बात की सच्चाई गाडरवारा तहसील क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले अनेक गांवों में दिखाई पड़ रही है? बताया जाता है कि गांवों के सही मायने में गरीबों, शासन से मिलने वाली सुविधाओं के हकदारो ने काफी समय पूर्व गरीबी रेखा सूची में नाम जुड़वाने के लिए आवेदन दिए थे, मगर आश्चर्य की बात है कि अभी तक प्रशासन की प्रक्रिया के तहत गरीबो के नाम बी.पी.एल.सूची में दर्ज नहीं किए गए है? जिसके कारण प्रदेश शासन की मंशा के अनुरूप वास्तविक गरीब सस्ते राशन, कैरोसिन से वंचित है और नीला, पीला राशन कार्ड उनके पास न होने से प्रदेश सरकार की गरीब हितैषी योजनाओं का लाभ उन्हें नहीं मिल रहा है। जबकि साधन संपन्न लोग इन योजनाओं का लाभ उठा रहे है। वही इस संबंध में हरिभूमि से चर्चा करते हुए दो वक्त की रोटी का मुश्किल से इंतजाम करने वाले गरीबो ने कहा कि प्रशासन ने साधनसम्पन्न लोगों तक के बी. पी. एल. कार्ड बना दिए है? किन्तु गरीबों के नीले, पीले राशन कार्ड के बनाने में उसकी तरफ से बेमतलब देरी कर गरीबों को परेशान किया जा रहा है? उनके अनुसार बी. पी. एल. कार्ड नही बनने से किसी तरह की शासकीय सुविधा उन्हे नहीं मिल रही है और विषम परिस्थति में जिन्दगी व्यतीत करने गरीबों को मजबूर होना पड़ रहा है,नीले, पीले राशन कार्ड तैयार करने का इंतजार करने वाले गरीबो ने प्रशासन से गुहार लगायी है कि उनकी समस्या हल करने की दिशा में ठोस पहल की जाए।

तालाब के पास खाली पड़ी हुई शासकीय भूमि लगातार चढ़ रही अतिक्रमण की भेंट

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा। अक्सर देखा जाता है कि जब लोगों को कही शासकीय खाली पड़ी हुई भूमि नजर आती है तो वह उस पर अपनी छोटी छोटी टपरिया बनाते हुए उस पर कब्जा करना शुरू कर देते है। मगर प्रशासन द्वारा इस प्रकार से शुरू आती तौर के कब्जे को नजर अंदाज किये जाने का परिणाम यह होता है कि जहां शासकीय भूमि गायब हो जाती है और जब उस अतिक्रमण को हटाने का प्रयास किया जाता है तो फिर काफी समय बीत चुका होता है जिसके चलते अतिक्रमणकारियों का बचाव करने के लिए अनेक प्रभावशाली लोग खड़े हुये नजर आने लगते है।

सीवरेज लाईन निर्माण कंपनी की मनमानी का परिणाम भोगने के लिये मजबूर हो रहे धूनी नगरी के लोग..

कार्य को पूर्ण करने की समय सीमा समाप्त होने के बाद भी अधूरा दिखाई दे रहा कार्य..?

हरिभूमि न्यूज/सांईखेड़ा। दादा धूनी वालों की नगरी सांईखेड़ा की सड़के जिस प्रकार से बदहाल स्थिति में पहुंच चुकी है उसको लेकर नगर के जनप्रतिनिधियों से लेकर जिम्मेदार अधिकारियों की चुप्पी निश्चित तौर से अनेक प्रकार के सबाल खड़े करते हुये जान पड़ रही है? यदि दादा धूनी वालों की नगरी सांईखेड़ा के अंतर्गत आने वाले 15 वार्डो के अंदर भ्रमण करते हुये देखा जावे तो यहां की सड़को की हालत आज से 20 वर्ष पहले दुर्गम स्थिति के गांवों से भी खराब दिखाई देने से नही चूक पा रही है। हालत इस तरह बनी है कि लोग जहां अपने घरों से वाहन नही निकाल पा रहे है तो दूसरी ओर मासूम बच्चों का अपने स्कूलों तक पहुंचना मुश्किल हो रहा है। क्योंकि नगर के अंदर टूटी हुई सड़को पर फैली हुई कीचड़ के बीच लोगों का निकलना मुश्किल हो चुका है। बताया जाता है कि कुछ वर्ष पहले नगर में नर्मदा जल लाने की योजना के तहत सीवरेज कार्य करने के लिये दूसरे प्रांत की कंपनी द्वारा इस कार्य को अंजाम देने के लिये बीते हुये नगर परिषद के पंच वार्षिय कार्य काल में बनी हुई पक्की सड़को की खुदाई करते हुये उनके अंदर पाईप लाईन डालने का कार्य किया गया है। मगर निर्माण कार्य करने वाली कंपनी द्वारा उन खोदी गई सड़को का किसी भी तरह से सुधार नही किये जाने के कारण जहां संपूर्ण नगर में गंदगी व कीचड का साम्राज्य फैला हुआ है तो दूसरी ओर सीवरेज कार्य करने वाली कंपनी द्वारा जिस अवधि के दौरान इस कार्य को पूर्ण किया जाना था वह अवधि भी लगभग चार वर्ष पहले निकल जाने के बाद भी निर्माण कार्य आज भी अनेक जगहों पर खोदकर छोड़ी गई सड़को सहित अन्य जगहो पर कार्य अधूरा पड़ा होने से नगरवासियों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है..? वही दूसरी ओर कार्य की गुणवत्ता इस तरह देखने मिल रही है कि टेस्टिंग करने के दौरान पाईप टूटने व लोकेज के चलते सच्चाई खुद ही उजागर करते हुये जान पड़ रहे है..? मगर बडे ही हैरत की बात है कि निर्माण कार्य करने वाली कंपनी की मनमानी को लगातार मिडिया द्वारा उजागर किये जाने

के बाद भी यहां के जिम्मेदाररो द्वारा जिस तरह चुप्पी साधी जा रही है वह निश्चित तौर से अनेक शंकाओं को जन्म देने से नही चूक पा रही है..? इस प्रकार से करोड़ो की लागत से स्थापित की जाने वाले योजना को कार्य की अवधि यानि की 2 दिसंबर 2020 को कार्य पूर्ण हो जाना था। मगर निर्माण कार्य करने वाली कंपनी की धीमी गति के चलते आज भी कार्य पूर्णता की ओर नही पहुंच पाया है और आमजन के लिये परेशानी का कारण बनते हुये देखा जा रहा है। वही बताया जाता है कि नियम के अनुसार जब किसी संस्था द्वारा शहर या फिर नगर के अंदर इस तरह पाईप लाईन बिछाने का कार्य किया जाता है तो मजदूरों के माध्यम से खुदाई सड़क किनारे से कराते हुये कार्य को अंजाम दिया जाता है। क्योंकि जब मजदूरो द्वारा कार्य किया जाता है तो उसके समय अधिक लगता है और निर्माण कराने वाली कंपनी को पैसा भी अधिक होता है। इस तरह पैसों की बचत करने की सोच के चलते मशीनों से कार्य कराया जाता है तो मशीन सड़क के किनारे नही चल पाती है इसी के चलते सड़को के बीचों बीच खुदाई कर दी जाती है जिसके चलते नगर में सरकारी धन राशि खर्च करते हुये बनाई गई पक्की सड़को की बलि चढ़ने से नही बच पाती है। इस तरह नगर में अंदर सड़को के बीचों बीच डाली गई लाईन के चलते सड़को की सुरक्षा जहां समाप्त ही दिखाई देने लगी है? क्योंकि जब भी जमीन के अंदर डाली गई इस लाईन में गड़बड़ी पैदा होगी तो उसके सुधार कार्य के लिये सड़को इस तरह खुदाई होना आम बात हो जावेगी और नगरवासियों को अच्छी सड़क की जगह थिगरा बाली सड़को के बीच जिन्दगी गुजारने की मजबूर बनी ही रहेगी वही दूसरी ओर बताया जाता है कि जब निर्माण कार्य करने वाली कंपनी द्वारा सड़को के बीच बीच खुदाई की जाती है तो उन सड़को का सुधार कार्य करते हुये पूर्व के तहत बनाकर देने का जिम्मा भी होता है? मगर यहां पर तो नगर के सभी वार्डो में की गई खुदाई के बाद सड़को को जैसे का तैसा ही छोड़ देने से नगरवासी परेशान होते देखे जा रहे है तो दूसरी ओर जरा सा पानी आते ही सड़क कीचड से सराबोर होने से नही चूकती है। इस समय देखा जा रहा है कि इस योजना का आलम यह बना हुआ है कि डाली गई पाइप लाइन टेस्टिंग के नाम पर जगह-जगह लीकेज हो रहे हैं, जिससे नलों में दूषित पानी पहुंचने का खतरा मंडरा रहा है? वही दूसरी ओर नगर का सबसे व्यस्ततम तिराहा रमपुरा रोड, जहाँ सीएम राइज स्कूल स्थित है। वहां पाइपलाइन फूटने से सड़क तालाब का स्वरूप धारण करते हुये प्रीतत होने से नही चूक रही है...? यहां से प्रतिदिन सैकड़ों छात्र-छात्राएं गुजरते हैं, जिन्हें कीचड़ और गंदगी के बीच से होकर निकलना पड़ रहा है। वही स्टेट हाईवे-44 पर अखाड़े वाले बजरंगबली मंदिर के सामने की है, जहाँ लंबे समय से काम चलने के कारण यातायात बाधित होने से नही चूक रहा है। वही दूसरी ओर जहां तहां बने हुये गड्ढो के कारण वाहन चालक गिरकर घायल होने से नही बच पा रहे है। इस तरह देखा जावे तो यह योजना नगरवासियों के लिये अभिशांप बनते हुये दिखाई देने से नही चूक पा रही है।

नगर परिषद चीचली द्वारा पानी टंकी की सफाई को लेकर छेड़ा अभियान

चीचली। प्रदेश के इंदौर महानगर में प्रदूषित पानी के चलते हुई मौतों ने संपूर्ण प्रदेश में स्वच्छ माने जाने वाले शहर को जहां कलंकित करने से नही छोड़ा गया है। वही दूसरी ओर इस घटना से संपूर्ण प्रदेश में हडकंप की स्थिति निर्मित होने के कारण प्रशासन द्वारा संबंधित संस्थाओं को अपने अपने शहरों में पानी की गुणवत्ता सहित टंकियों की विशेष सफाई को लेकर निर्देशित किया गया है। इस प्रकार से बताया जाता है कि शासन के आदेशानुसार बीते हुये दिवस पीलत नगरी चीचली में भी टंकियों का विशेष अभियान शुरू किया गया है। इस संबंध में मिली जानकारी के नुसार नगर परिषद चीचली के अंतर्गत आने वाले वार्ड क्रमांक 11 एवं वार्ड 6 मे स्थित पानी की टंकी की सफाई कराई गई वही आवश्यकता अनुसार क्लोरीन दवा डाली गई। वही दूसरी ओर संपूर्ण नगर में जल सप्लाई लाईनों को जांचने के लिये मुहिम चलाई जा रही है। लाईनों में किसी तरह से लीकेज व गंदगी के बीच से निकल रही है तो उन्हें सुधार कार्य करने में नगर परिषद के जल विभाग शाखा की टीम जुटी हुई देखी जा रही है।

पतंग उड़ाने के लिये चाइनीज सहित कांच परत वाले मांजा युक्त धागे के उपयोव विक्रय पर लगाया पूर्ण प्रतिबंध

हरिभूमि न्यूज/चीचली। प्रतिवर्ष देखा जाता है कि मकर संक्रांति के दौरान जहां तहां पतग उड़ाने की प्रतियोगिताये आयोजित होती है। वही दूसरी ओर इस तैयारियों को लेकर बच्चों से लेकर युवाओं द्वारा पहले से ही तैयारियाँ करते हुये पतंग उड़ाने की शुरूआत कर देते है। इस बात की सच्चाई इस समय प्रतिदिन सैकड़ो की संख्या में आसमान में उड़ती हुई पतंगों को देखकर ही उजागर हो रही है। मगर लोगों द्वारा एक दूसरे की पतंग काटने के लिये जिस तरह चाइनीज व कांच परत वाले मांजा लगे हुये धागे का उपयोग करते है वह निश्चित तौर से घातक साबित होने से नही चूकता है। क्योंकि जब कोई पतग कटने के बाद गिरती है तो उसमें लगा हुआ धागा लोगों के छतों से लेकर मुख्य मार्गो पर पहुंच जाता है। इस दौरान यदि उस मार्ग से कोई वाहन चालक या फिर आम व्यक्ति निकल रहा होता है तो उसके गले या फिर शरीर के अन्य भाग में फंस जाने के चलते शरीर को काटते हुये गांव बनाने से नही चूकता है। इस तरह चाइनीज व कांच की परते लगे हुये धागे के माध्यम से घटित होने वाली घटनाओं के चलते लोगों की जान जाने की घटनाये आये दिन जहां तहां समाचारों के माध्यम से सुनाई पड़ने से नही चूक रही है। वही दूसरी ओर यह चाइनीज व कांज की परत लगा हुआ मांजा युक्त धागा पशु पक्षितयों की जिन्दगी को भी खतरे में डालने से नही चूकता है। इसी बात को ध्यान में रखते हुये जिला दंडाधिकारी श्रीमती रजनी सिंह ने जिले की राजस्व सीमाओं में पतंग उड़ाने में चायनीज मांजा का उपयोग पूर्णतः प्रतिबंधित किया है।उन्होने ने अपने आदेश में कहा गया है कि पतंग उड़ाने के लिए केवल सादा धागा ही विक्रय किया जावे।

जिले में चायनीज मांजा/ कांच की परत वाला मांजा युक्त धागा का विक्रय पूर्णतः प्रतिबंधित किया गया है। यह प्रतिबंध आमजन के हित/ जानमाल की सुरक्षा के लिए भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 (1) के अंतर्गत प्रावधानों के तहत किया है। इस आदेश का उल्लंघन करने वाले व्यक्तियों एवं पतंग बिक्री दुकानदारों के विरूद्ध भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 223 एवं अन्य युक्तियुक्त प्रावधानों के अंतर्गत वैधानिक कार्यवाही की जावेगी। आदेश में कहा गया है कि मकर संक्रांति के त्यौहार पर कुछ समुदायों द्वारा पतंग उड़ाने की प्रतियोगिता आयोजित की जा रही है। साथ ही बच्चों/ व्यक्तियों द्वारा पतंग उड़ाई जा रही है, जिसमें उपयोग किये जाने वाले धागे में मांजा का उपयोग किया जा रहा है, जिससे पतंग के धागे से लोगों के हाथ एवं शरीर के अंगों के कट जाने तथा सड़क दुर्घटनाओं की आशंका बनी रहती है और जानलेवा घटना घटित हो सकती है। जिले में इस प्रकार की घटनाओं को रोकने के लिए यह प्रतिबंध लगाया गया है। इस तरह जिला कलेक्टर द्वारा आदेश जारी करते हुये कार्यवाही के निर्देश तो जारी कर दिये गये है। मगर अब सवाल यह पैदा हो रहा है कि उनके अधिनस्थ रहने वाले अधिकारी व कर्मचारी कितनी कार्यवाही करते है यह तो आने वाला समय ही बतायेगा..? क्योंकि जिला कलेक्टर द्वारा पूर्व में भी आमजन की जिन्दगी को सुरक्षित करने के लिये अनेक आदेश जारी किये गये है। मगर उन आदेशों का उनके अधिनस्थ अधिकारियों द्वारा पालन करने की जगह जिस तरह से नजर अंदाज किया जा रहा है उसके चलते वह आदेश मात्र अखबारों की सुर्खियों तक सीमित होकर रहते हुये दिखाई दे रहे है..? अब देखना है कि इस आदेश का कितना पालन होता है। क्योंकि इस समय गाडरवारा शहर से लेकर समीपस्थ चीचली, सालीचौका व सांईखेड़ा में खुलेआम चाइनीज कांच परत युक्त मांजा वाले धागे की धड़ल्ले से बिक्री होते हुये देखी जा रही है।

विकास खंड स्तरीय प्रदर्शनी का आयोजन आज

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा। आज 9 जनवरी दिन शुक्रवार को राज्य शिक्षा केंद्र के निर्देशानुसार विकासखंड स्तरीय गणित, विज्ञान, पर्यावरण एवं सामाजिक विज्ञान विषयों की विकासखंड स्तरीय प्रदर्शनी क्षेत्र के साईंखेडा एवं चीचली विकासखंड में आयोजित की जा रही है। यह आयोजन सुबह 11 बजे से साईखेड़ा विकासखंड की प्रदर्शनी गाडरवारा के पीएमश्री शासकीय कन्या

नवीन स्कूल एवं सुबह 10:30 बजे से चीचली विकासखंड की प्रदर्शनी जनपद सभागार चीचली में आयोजित होगी जिसमे शासकीय शालाओं के कक्षा 6 से 8 वी तक के वे छात्र छात्राएँ शामिल होंगे। बताया जाता है कि जिन्होंने जनशिक्षा केंद्र स्तर की प्रदर्शनी में प्रथम एवं द्वितीय स्थान प्राप्त किया था। विदित हो कि इस प्रदर्शनी में छात्र छात्राएं मॉडल, लघु नाटिका, सेमिनार, पर्यावरण गीत आदि विधाओं में सहभागिता करेंगे। प्रदर्शनी के सफल आयोजन हेतु बीआरसी डी के पटैल एवं संदीप स्थापक ने विभिन्न समितियों का गठन किया है एवं जनशिक्षकों व शाला प्रभारियों से चयनित छात्र छात्राओं को उपस्थित कराने की अपेक्षा व्यक्त की गई है।

कल्याणपुर के विद्यालय में गायत्री परिवार का आयोजित हुआ प्रशिक्षण कार्यक्रम

हरिभूमि न्यूज/कल्याणपुर। अखिल विश्व गायत्री परिवार शांतिकुंज हरिद्वार के मार्गदर्शन में विगत दिवस हायर सेकंडरी स्कूल कल्याणपुर में कन्या किशोर कौशल विकास प्रशिक्षण आयोजित किया गया। प्रशिक्षण में छात्र छात्राओं को विविध विषय यथा आस्था संवर्धन, बुद्धि बढ़ाने की विधियां, मोबाइल को अभिशाप न बनने दें तथा गायत्री मंत्र का प्रभाव, याददाश्त बढ़ाने रिकाल मेथर्ड, अनुशासन बने पहचान सहित नशा से दूरी जरुरी, छोटे संकल्प बड़ी सफलता सहित अन्य विषयों पर ज्ञान वर्धक जानकारी दी गई। प्रशिक्षक के रूप में गायत्री परिवार के जिला समन्वयक अविनाश बेलाकर, से.नि. इंजीनियर आर पी सिंह, सेवा निवृत्त ए. डी. ओ.विनोद श्रीवास्तव, डा. राजेन्द्र दुबे, तह समंवयक राजेश कौरव, अवधेश कौरव, मनोरमा श्रीवास्तव, राज कुमारी कौरव, राजेन्द्र राय, केशव पचौरी द्वारा विचार रखे गये। इस अवसर पर गायत्री परिजन गोपाल कौरव, गोविंद कौरव के आलवा संस्था के स्टाफ सहित कक्षा 6 से 12 तक के लगभग 200 बच्चे उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती का पूजन वंदन के साथ किया गया। तत्पश्चात प्रत्येक विषय को काल खंड अनुरूप

प्रशिक्षकों द्वारा प्रतिपादित किया गया। इस दौरान विषय प्रतिपादन की सरलता, सहजता तथा प्रेरकता से छात्र छात्राओं ने रुचि दिखाते हुए सहभागिता प्रदान की।अंतिम कालखंड में प्रशिक्षकों द्वारा प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता रखी गई, जिसमें छात्र छात्राओं ने बेबाक उत्तर दिये। वही छात्रों के लहजे, सहभागिता की शैली, शिक्षा के स्तर को देखकर गायत्री परिजनों द्वारा छात्रों के साथ साथ सभी शिक्षकों की काफी सराहना की गई। वही प्रशिक्षण का समापन संस्था प्राचार्य ओम प्रकाश कौरव के आभार प्रदर्शन से किया गया। इस दौरान उन्होंने गायत्री परिवार द्वारा संचालित कौशल विकास अभियान की सराहना भी की गई।

राष्ट्रीय राजमार्गों एवं परिवहन से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा

केन्द्रीय मंत्री गडकरी से परिवहन मंत्री ने मुलाकात कर आमजन की सुविधायों के लिये की अनेक मांग

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा। क्षेत्र के विधायक तथा प्रदेश के परिवहन एवं स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह ने बीते हुये दिनों देश की राजधानी दिल्ली पहुंचकर केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राष्ट्रीय राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी से सौजन्य मुलाकात की। इस दौरान परिवहन मंत्री सिंह ने मध्यप्रदेश में राष्ट्रीय राजमार्गों एवं परिवहन से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। बताया जाता है कि इस दौरान उन्होंने सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय द्वारा दिनांक 1 जनवरी 2026 को जारी पत्र के संबंध में भी केंद्रीय मंत्री गडकरी को अवगत कराया। वही जिला परिवहन कार्यालयों में वाहनों की मैनुअल फिटनेस प्रक्रिया को समाप्त कर केवल ऑटोमेटेड टेस्टिंग स्टेशन (एटीएस) के माध्यम से ही फिटनेस परीक्षण कराए जाने का प्रावधान किया गया है। वर्तमान में यह व्यवस्था मध्यप्रदेश के 9 जिले ग्वालियर, इंदौर, भोपाल, जबलपुर, उज्जैन, सतना, सिंगरौली,

देवास एवं धार में संचालित हैं। इन जिलों में वाहनों की फिटनेस प्रक्रिया पूरी तरह से ऑटोमेटेड टेस्टिंग स्टेशन (एटीएस) के माध्यम से ही की जा रही है। उन्होंने बताया की मध्यप्रदेश भौगोलिक दृष्टि से एक बड़ा राज्य है, जहां कई जिलों के बीच की दूरी 150 किलोमीटर से अधिक है। ऐसी स्थिति में एटीएस विहीन जिलों के वाहन स्वामियों को फिटनेस परीक्षण के लिए अन्य जिलों में वाहन को लेकर जाना पड़ता है। इससे समय अधिक लगता है और ईंधन की भी अधिक खपत होती है। इसके अतिरिक्त, यात्री वाहनों के परमिट निश्चित मार्गों एवं क्षेत्रों के लिए जारी किए जाते हैं। यदि यात्री वाहन अपने निर्धारित परमिट मार्ग से भिन्न मार्ग पर फिटनेस परीक्षण के लिए जाते हैं तो यह वैधानिक रूप से भी अनुचित होगा। इन परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए परिवहन एवं स्कूल शिक्षा मंत्री सिंह ने केंद्रीय मंत्री गडकरी से आग्रह किया है कि जब तक राज्य के प्रत्येक जिले में ऑटोमेटेड टेस्टिंग स्टेशन की स्थापना नहीं हो जाती, तब तक एटीएस विहीन जिलों में वाहन स्वामियों की सुविधा को दृष्टिगत रखते हुए जिला परिवहन कार्यालयों के माध्यम से मैनुअल फिटनेस प्रक्रिया को जारी रखने की अनुमति दी जाए। इसके उपरांत केंद्रीय मंत्री गडकरी ने प्रक्रिया को यथाशीघ्र अनुमति प्रदान करने की सहमति व्यक्त की।

जिला कलेक्टर के आदेश को लेकर कार्यवाही के नाम पर मात्र औपचारिकता निभाते हुये

शक्कर नदी पुल पर डबल ट्राली लगे हुये ट्रेक्टर के चलते काफी समय तक लग रहा जाम, जिला कलेक्टर के आदेश की अव्हेलना की फिर सच्चाई हुई उजागर...?

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। क्षेत्र की सड़को पर जिस तरह नियमों के विपरित एक ट्रेक्टर में डबल ट्राली लगाते हुये गन्ने का परिवहन किया जा रहा है वह आम लोगों की जिन्दगी को खतरा बन चुका है..। इस तरह डबल ट्राली लगाते हुये दौड़ने वाली ट्रेक्टर ट्रालियों से आमजन को होने वाली खतरे को लेकर जिला कलेक्टर द्वारा पूर्णरूप से से अपनी गंभीरता का परिचय देते हुये अपने अधिनस्थ अधिकारियों सहित संबंधित विभाग को कार्यवाही करने के आदेश जारी किये गये थें। मगर इन पर कार्यवाही न होने का परिणाम है कि जहां इन लोगों के हौसले बुलंद होते हुये देखने मिल रहा है। वही दूसरी ओर संबंधित विभाग द्वारा भी जिला कलेक्टर के आदेश को लेकर कार्यवाही के नाम पर मात्र औपचारिकता निभाते हुये जिस तरह जिला दंड अधिकारी के आदेश को अखबारियों की सूर्खियों तक सीमित रखा गया है वह निश्चित तौर से चर्चा का विषय बनने से नही चूक रहा है...? लोग यह बात कहने से नही चूक रहे है कि प्रदेश का शायद यह पहला जिला होगा

जहां पर जिला कलेक्टर के अधिनस्थ रहने वाले विभाग व अधिकारी उनके आदेश को रद्दी की टोकरी के हवाले करने से नही चूकते है..? क्योंकि परिवहन विभाग की उदासीनता कही जावे या फिर मिली भगत के चलते क्षेत्र की सड़को पर जिस प्रकार से डबल ट्राली वाले ट्रेक्टर आज भी दौड़ते हुये देखे जा रहे है इस सच्चाई को मीडिया द्वारा लगातार उजागर करने में कोई कसर नही छोड़ी जा रही है..? वही दूसरी सच्चाई नगर के शक्कर नदी पुल पर जिस तरह डबल ट्राली वाले ट्रेक्टर से पैदा की गई जाम की स्थिति ने संपूर्ण सच्चाई को

उजागर करके रख दिया गया है कि आज भी जिला कलेक्टर के आदेश का पालन नही हो रहा है और सड़को पर डबल ट्राली लगे हुये ट्रैक्टर छोड़ रहे है..? बताया जाता है कि बीते हुये गुरूवार की सुबह एक डबल ट्राली लगाते हुये गन्ना परिवहन करने वाला ओवर लोडिंग ट्रेक्टर शक्कर नदी पुल से निकलने के दौरान अचानक कोई खराबी आने के कारण बीच में ही रूक गया और देखते ही देखते कई घंटे तक पुल के ऊपर से लेकर दोनों ओर वाहनों का जाम लगने के चलते लम्बी लाईने लगी हुई देखी गई। बताया जाता है कि जिस स्थित में डबल ट्राली वाला ट्रेक्टर ट्राली गन्ने से लदा हुआ खड़ा हुआ था उसके चलते यहां से निकलने में आम लोगों को दहशत सता रही थी। इस तरह शक्कर नदी पुल पर जाम की स्थिति बनने के चलते अनेक स्कूलों की बसे नही निकल सकी जिससे बच्चे स्कूल नही पहुंचने के पढ़ाई से बंचित रहना पड़ा हुआ दूसरी ओर यह प्रदेश स्तरीय मार्ग होने के चलते जाम लगने के कारण लोगों अपने जरूरी कार्यो से भी बंचित होते हुये देखा गया। वही बताया जाता है कि मौके पर पहुंची हुई पुलिस द्वारा ट्रालियों में भरे हुये गन्ने को पुल के ऊपर से नदी में डम्प कराते हुये पुल से ट्रेक्टर ट्रालियों को हटवाया गया जब कही यातायात व्यवस्था सुचारू हो पाई..? इस तरह शक्कर नदी पर लगे हुये जाम की सच्चाई ने परिवहन विभाग की उदासीनता पूर्ण कार्य प्रणाली सहित जिला कलेक्टर के आदेश की जा रही अव्हेलनाओं की पोल खोलने में कोई कसर नही छोड़ी गई है।

साईंखेड़ा में विकासखंड प्रबंधन ईकाई की आयोजित हुई बैठक

हरिभूमि न्यूज/सांईखेड़ा। साईंखेडा विकासखंड के जनपद शिक्षा केंद्र में विकासखंड प्रबंधन ईकाई की बैठक आयोजित की गई। बताया जाता है कि उक्त बैठक को सम्बोधित करते हुए बीआरसी साईंखेड़ा संदीप स्थापक ने द्वितीय चरण की ओलंपियाड परीक्षा में विद्यार्थियों की शत प्रतिशत उपस्थिति व परीक्षा पे चर्चा में रजिस्ट्रेशन तथा विकासखंड स्तरीय गणित विज्ञान सामाजिक विज्ञान पर्यावरण प्रदर्शनी के आयोजनों के आलवा एफएलएन अभ्यास पुस्तिका पर कार्य सहित खाद्यान्न उठाव, ड्रॉप बॉक्स, पीएम पोषण आहार मॉनिटरिंग, आईवीआरएस मैसेज, आरएसके पोर्टल पर अर्धवार्षिक परीक्षा के अंकों की प्रविष्टि सहित निर्माण कार्य के आलवा अन्य बिंदुओं पर विस्तृत निर्देश दिये गये। वही बैठक में उपस्थित बीएसी मनीराम मेहरा एवं पवन राजोरिया ने 12 जनवरी को होने वाले सूर्य नमस्कार कार्यक्रम, विद्यालयों में छात्रों की उपस्थिति, अध्यापन में टीएलएम का उपयोग, ड्रॉपबॉक्स कार्य संबंधी चर्चा की। इस बैठक मे जनशिक्षक नेपाल झारिया, आजाद कौरव, दीपक स्थापक, देवी सिँह कीर,बनवारी लाल नागवंशी,अपसार खान, सुरेन्द्र राजपूत, अवधेश पटैल, प्रमोद पठारिया, प्रदीप मालवीय, पंकज पाठक, एमआईएस वेद प्रकाश राजपूत, लेखापाल दीपक आरसे, राजा कहार सहित अन्य लोग मौजूद थें।

खबर संक्षेप

ड्राइवरों का स्वास्थ्य परीक्षणः आरटीओ व ट्रैफिक पुलिस ने चलाया अभियान, दुर्घटनाओं में कमी की उम्मीद

डिंडोरी। सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के उद्देश्य से बुधवार को परिवहन विभाग एवं ट्रैफिक पुलिस के संयुक्त तत्वावधान में जिला अस्पताल परिसर में स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में ऑटो, बस, तूफान सहित विभिन्न व्यवसायिक वाहनों के चालकों का नेत्र परीक्षण एवं सामान्य स्वास्थ्य परीक्षण किया गया।शिविर के दौरान लगभग 150 ड्राइवरों की जांच की गई। इस अवसर पर चालकों को शुगर, बीपी सहित अन्य बीमारियों की जांच कर आवश्यक परामर्श दिया गया।ड्राइवरों को संबोधित करते हुए एसडीओपी श्री सतीश द्विवेदी ने कहा कि वाहन चालकों के लिए नियमित रूप से आंखों और स्वास्थ्य की जांच कराना अत्यंत आवश्यक है। यदि किसी चालक को कम दिखाई देता है या वह शुगर, बीपी अथवा अन्य किसी बीमारी से ग्रसित होता है, तो वाहन चलाते समय परेशानी हो सकती है, जिससे सड़क दुर्घटनाओं की संभावना बढ़ जाती है। ऐसे में समय-समय पर स्वास्थ्य परीक्षण कराना जरूरी हो जाता है।उन्होंने बताया कि परीक्षण के उपरांत जरूरतमंद चालकों को दवाइयां उपलब्ध कराई जाएंगी तथा जिन चालकों की दृष्टि कमजोर पाई जाएगी, उन्हें चश्मा भी प्रदान किया जाएगा।शिविर में आरटीओ सुरेंद्र गौतम, सीएमएचओ डॉ. मनोज पांडेय, ट्रैफिक निरीक्षक सुभाष उईके सहित परिवहन विभाग, पुलिस एवं स्वास्थ्य विभाग का स्टाफ उपस्थित रहा।

बैगा जनजातीय चित्रकला के संरक्षण व विपणन को लेकर कलाकारों से की चौपाल

कलेक्टर अंजू पवन भदौरिया ने पाटनगढ़ म्यूजियम का किया निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज डिंडौरी। कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदौरिया ने विकासखंड करंजिया अंतर्गत ग्राम पंचायत पाटनगढ़ में निर्माणाधीन पाटनगढ़ म्यूजियम का औचक निरीक्षण किया। यह म्यूजियम बैगा जनजाति की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रसिद्ध पाटनगढ़ चित्रकला के संरक्षण एवं संग्रहण के उद्देश्य से बनाया जा रहा है।निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने निर्माण एजेंसी को निर्देशित किया कि म्यूजियम का निर्माण डीपीआर के निर्धारित मापदंडों के अनुरूप तथा उच्च गुणवत्ता के साथ किया जाए। उन्होंने स्पष्ट चेतावनी दी कि निर्माण कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही पाए जाने पर संबंधित एजेंसी के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी।इसके पश्चात कलेक्टर ने ग्राम पंचायत पाटनगढ़ में संचालित अस्थायी म्यूजियम में गांव के 94 स्थानीय लोक कलाकारों के साथ चौपाल लगाई। चौपाल का मुख्य उद्देश्य गोंडी एवं पाटनगढ़ चित्रकला को प्रोत्साहन देना तथा सभी कलाकारों को समान अवसर एवं कार्य उपलब्ध कराना रहा। इस दौरान कलाकारों एवं स्वयं सहायता समूह की महिलाओं की समस्याओं पर चर्चा की गई। चर्चा के उपरांत यह निर्णय लिया गया कि ग्राम के सभी कलाकार, सरपंच, अध्यक्ष-उपाध्यक्ष एवं स्वयं सहायता समूह के सदस्य सर्वसम्मति से ऐसे नए सदस्यों का चयन करेंगे, जिन्हें मोबाइल, व्हाट्सएप, यूट्यूब, ई-मेल जैसे डिजिटल माध्यमों का ज्ञान हो, ताकि बाहरी कंपनियों से प्राप्त सूचनाएं समय पर सभी कलाकारों तक पहुंचाई जा सकें एवं समुचित उत्तर तैयार किया जा सके।कलेक्टर ने कलाकारों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि साड़ी, दुपट्टा एवं अन्य चित्रकारी उत्पाद कम से कम एक-एक हजार की संख्या में तैयार किए जाएं, जिससे बाहरी कंपनियों के माध्यम से बेहतर विपणन हो सके और कलाकारों को आर्थिक लाभ प्राप्त हो।उन्होंने आश्वस्त किया कि प्रशासन द्वारा जनजातीय कला एवं कलाकारों के संरक्षण, संवर्धन तथा रोजगार सृजन के लिए निरंतर प्रयास किए जाएंगे।निरीक्षण के दौरान जनपद अध्यक्ष करंजिया, सीईओ जिला पंचायत दिव्यांशु चौधरी, एसडीएम बजाग रामबाबू देवांगन, डिप्टी कलेक्टर अक्षय डिगरसे, डिप्टी कलेक्टर सुश्री प्रियांशी जैन, सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग राजेन्द्र कुमार जाटव, एनआरएलएम प्रबंधक श्रीमती अर्पणा पाण्डेय, पाटनगढ़ सरपंच राजेन्द्र कुशराम सहित अन्य संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

मृतक व्यक्ति के नाम से राशि निकालने का पुलिस चौकी अमरपुर में हुई शिकायत

अमरपुर। पुलिस चौकी अमरपुर क्षेत्र अंतर्गत ग्राम खुदुरपानी निवासी भैया लाल पिता पुहुप सिहं के द्वारा 7 जनवरी को पुलिस चौकी अमरपुर में आवेदन देकर शिकायत दर्ज कराई गई हैं। जिस शिकायत पत्र में लेख किया गया हैं कि मैं भैया लाल पिता पुहुप सिहं एवं गुहा सिंह पिता राम लाल ग्राम खुदुरपानी के स्थाई निवासी हैं। हमारे पिता पुहुप सिंह एवं राम लाल का निधन लगभग तीन-चार वर्ष पूर्व हो चुका हैं। हमारे बगैर सूचना के सुशील कुमार सोनवानी पिता अमीर दास के द्वारा पुहुप सिंह के नाम से दिनांक 02/01/2026 को 13 हजार 400 रूपए निकासी किया गया हैं। एवं राम लाल के नाम से दिनांक 06/01/ 2026 को 30 हजार रुपए राशि निकासी किया गया हैं। इसी प्रकार से पुहुप सिंह के नाम से दिनांक 06/01/2026 को 30 हजार रुपए आहरण किया गया हैं। जिसकी जांच कर उचित कार्रवाई की मांग की गई हैं। लिखित आवेदन में पंचगणों द्वारा सच-सच तस्दीक करते हैं कि सुशील कुमार सोनवानी पिता अमीर दास के द्वारा ग्रामवासियों को धमकाने के साथ साथ परेशान भी किया जाता हैं। यदि उक्त मामले की निष्पक्ष जांच होती हैं तो मामले में और भी व्यक्तियों का नाम सामने आ सकते हैं।

मानवता की उड़ानः डिंडोरी की बेटी कीर्ति चंदेल को एयर एम्बुलेंस से भेजा गया एम्स भोपाल

डिंडोरी।

मध्य प्रदेश शासन की संवेदनशीलता एवं डिंडोरी जिला प्रशासन के सतत प्रयासों से ग्राम पिपरिया निवासी 25 वर्षीय कुमारी कीर्ति चंदेल को बेहतर उपचार के लिए एयर एम्बुलेंस के माध्यम से एम्स भोपाल रेफर किया गया।कीर्ति चंदेल के माता-पिता खेती-मजदूरी कर परिवार का भरण-पोषण करते हैं। आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण परिवार बेटी के गंभीर रोग का महंगा उपचार कराने में असमर्थ था। कीर्ति के भाई पुनु दास चंदेल ने बताया कि लगभग दो माह पूर्व रायपुर मेडिकल कॉलेज में कीर्ति के कमर के ट्यूमर की सर्जरी कराई गई थी, लेकिन स्वास्थ्य में अपेक्षित सुधार नहीं होने पर मंगलवार को उन्हें जिला चिकित्सालय डिंडोरी के आईसीयू वार्ड में भर्ती कराया गया।

मरीज की गंभीर स्थिति को देखते हुए जिला चिकित्सालय अधिकारी मनोज पांडे ने तत्काल कलेक्टर अंजू पवन भदौरिया को स्थिति से अवगत कराया। कलेक्टर ने मामले की गंभीरता को समझते हुए शासन एवं उच्च अधिकारियों से समन्वय कर केंद्र सरकार की 'पीएम श्री' योजना के अंतर्गत एयर एम्बुलेंस सुविधा उपलब्ध कराने की स्वीकृति दिलाई।एयर एम्बुलेंस से रवाना किए जाने से पूर्व कलेक्टर ने स्वयं पहुंचकर कीर्ति से संवाद किया और उन्हें ढांढस बंधाया। उन्होंने कहा कि किसी प्रकार की चिंता करने की आवश्यकता नहीं है, प्रशासन उनके साथ है और शीघ्र स्वास्थ्य लाभ होगा। कलेक्टर ने अपना निजी मोबाइल नंबर भी साझा करते हुए हरसंभव सहायता का आश्वासन दिया।

एयर एम्बुलेंस का संचालन पायलट कैप्टन जे.एस. चौहान एवं कैप्टन संजय कुमार शर्मा द्वारा किया गया। इस दौरान मरीज के साथ परिवार का एक सदस्य एवं चिकित्सक पंकज मौजूद रहे। मौके पर एसडीएम भारती मेरावी, एसडीओपी सतीश द्विवेदी, जिला चिकित्सालय अधिकारी मनोज पांडे, जनसंपर्क अधिकारी चेतराम अहिरवार, तहसीलदार शशांक, यातायात प्रभारी सुभाष सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।जिलेवासियों ने कीर्ति चंदेल के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की है।

एमएसएमई विभाग एवं लघु उद्योग भारती द्वारा एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

डिंडौरी। सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) के विकास को गति प्रदान करने के उद्देश्य से रेम्प (**RAMP**) योजना के अंतर्गत एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। कार्यशाला में प्रतिभागियों को मध्यप्रदेश एमएसएमई डेवलपमेंट पॉलिसी–2025, मध्यप्रदेश लैंड रूल्स तथा एमपी स्टार्टअप पॉलिसी–2025 की विस्तृत जानकारी दी जाएगी।इसके साथ ही कार्यशाला के दौरान **LEAN**, **IPR**, **ZED** स्कीम एवं ई–कॉमर्स जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विशेषज्ञों द्वारा मार्गदर्शन प्रदान किया जाएगा, जिससे उद्यमियों को आधुनिक व्यवसायिक प्रक्रियाओं एवं सरकारी योजनाओं की जानकारी मिल सके।कार्यक्रम का आयोजन आज प्रातः 11:30 बजे एमपीटी, जोगी टिकरिया, जबलपुर रोड, डिंडौरी में किया जाएगा। इस कार्यशाला का आयोजन मध्यप्रदेश लघु उद्योग निगम लिमिटेड (**RAMP** राज्य नोडल एजेंसी) एवं एमएसएमई विभाग, मध्यप्रदेश शासन के तत्वावधान में किया जा रहा है।जिले के समस्त उद्यमियों, स्टार्टअप्स एवं युवा उद्यमियों को इस कार्यशाला में सहभागिता हेतु आमंत्रित किया गया है।

सामुदायिक भवन निर्माण में स्थान परिवर्तन का आरोप, ग्रामीणों ने सीईओ से की शिकायत

अमरपुर। जनपद पंचायत अमरपुर अंतर्गत ग्राम पंचायत नांदामाल में स्वीकृत सामुदायिक भवन निर्माण कार्य को लेकर विवाद उत्पन्न हो गया है। ग्राम के जागरूक ग्रामीणों ने निर्माण स्थल में कथित फेरबदल का आरोप लगाते हुए जनपद पंचायत कार्यालय पहुंचकर मुख्य कार्यपालन अधिकारी लौकेश नारनौरे को शिकायत पत्र सौंपा और मामले की जांच की मांग की।

ग्रामीणों का कहना है कि अधोसंरचना मद से प्राप्त राशि से सामुदायिक भवन निर्माण के लिए दिनांक 26 दिसंबर 2025 को आयोजित ग्राम सभा में प्रस्ताव क्रमांक 07 पारित कर खेरमाई मोहल्ला में भवन निर्माण का निर्णय लिया गया था। इसके बावजूद सरपंच द्वारा अपने निवास के समीप भवन निर्माण कराने के उद्देश्य से फर्जी तरीके से प्रस्ताव प्रस्तुत कर स्वीकृति प्राप्त करने का प्रयास किया गया, जो नियम विरुद्ध है।ग्रामीणों ने यह भी आरोप लगाया कि लगभग दो से तीन वर्ष पूर्व खेरमाई, नांदामाल में चबूतरा निर्माण हेतु जनपद पंचायत अमरपुर से 1 लाख 20 हजार की राशि स्वीकृत हुई थी तथा तकनीकी स्वीकृति भी प्रदान की गई थी, किंतु आज तक चबूतरा निर्माण कार्य नहीं कराया गया। आरोप है कि निर्माण कार्य किए बिना ही पूरी राशि आहरित कर ली गई।ग्रामीणों ने मांग की है कि शिकायत पत्र के आधार पर निष्पक्ष जांच कर ग्राम सभा द्वारा पारित प्रस्ताव के अनुसार खेरमाई मोहल्ला में ही सामुदायिक भवन निर्माण कार्य की स्वीकृति दी जाए। साथ ही चेतावनी दी गई कि मांग पूरी नहीं होने पर ग्रामीण आंदोलन के लिए बाध्य होंगे, जिसकी संपूर्ण जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की होगी। शिकायत पत्र पर लगभग 25 ग्रामीणों के हस्ताक्षर दर्ज हैं।

चंद्रविजय महाविद्यालय में पीएम-ऊषा योजना अंतर्गत गोंडी पेंटिंग कार्यशाला का शुभारंभ

डिंडौरी। चंद्रविजय महाविद्यालय में प्रधानमंत्री उच्चतर शिक्षा अभियान (पीएम–ऊषा) योजना के कंपोनेंट–3 के अंतर्गत 'इंडियन आर्ट एंड कल्चरः गोंडी पेंटिंग' विषय पर 15 दिवसीय कार्यशाला का भव्य शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथियों द्वारा मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन एवं माल्यार्पण के साथ हुआ।कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. संतोष धुर्वे ने की। अपने उद्बोधन में उन्होंने गोंडी पेंटिंग को भारतीय जनजातीय कला की अमूल्य धरोहर बताते हुए इसके संरक्षण एवं संवर्धन पर बल दिया। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की कार्यशालाएं विद्यार्थियों की रचनात्मक सोच को विकसित करने के साथ-साथ उन्हें अपनी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत से जोड़ने का कार्य करती हैं।सेडमैप समन्वयक एस.के. शर्मा ने विद्यार्थियों को कार्यशाला की रूपरेखा एवं विस्तृत कार्ययोजना से अवगत कराया। वहीं पीएम–ऊषा योजना के सह-समन्वयक डॉ. रवि सिंह ने बताया कि इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों के कौशल का विकास करना है। उन्होंने कहा कि गोंडी कला की बारीकियों, प्रतीकों एवं विभिन्न शैलियों का प्रशिक्षण प्राप्त कर विद्यार्थी कला के क्षेत्र में स्वरोजगार एवं आर्थिक उन्नति की दिशा में आगे बढ़ सकते हैं।इस अवसर पर महाविद्यालय की विधा प्रभारी डॉ. अनीता मेश्राम, सुश्री पूजा धुर्वे, डेनियल प्रसाद, योगेश वालरे सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में डॉ. अनीता मेश्राम ने आभार व्यक्त किया।

समाजसेवा की मिसाल पेश करता ड्राइवर यूनियन संघ शहपुरा

शहपुरा। नगर क्षेत्र में ड्राइवर यूनियन संघ द्वारा मानवता की सराहनीय पहल देखने को मिली। कड़ाके की ठंड को ध्यान में रखते हुए संघ के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने मानसिक रूप से विक्षिप्त एक महिला को गर्म कपड़े, भोजन सामग्री सहित आवश्यक उपयोगी वस्तुएँ उपलब्ध कराईं।प्राप्त जानकारी के अनुसार, गुरुवार शाम लगभग 4 बजे ड्राइवर यूनियन संघ शहपुरा के सदस्यों द्वारा नगर क्षेत्र में ठंड से प्रभावित मानसिक रूप से विक्षिप्त एवं बेसहारा लोगों की सहायता के उद्देश्य से सामग्री वितरण किया गया। इस दौरान महिला को गर्म कपड़े पहनाए गए तथा भोजन सामग्री दी गई, जिससे उसे ठंड से राहत मिल सके।इस सेवा कार्य में शहपुरा के साथ-साथ सलैया, रैपुरा, कछारी, धीरवन कला सहित आसपास के गांवों के ड्राइवर यूनियन संघ के सदस्य भी सक्रिय रूप से शामिल रहे। सभी सदस्यों ने एकजुट होकर जरूरतमंदों की सहायता कर सामाजिक दायित्व का निर्वहन किया।ड्राइवर यूनियन संघ की इस मानवीय पहल की स्थानीय नागरिकों ने सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के कार्य समाज में सकारात्मक संदेश देते हैं तथा जरूरतमंदों के प्रति संवेदनशीलता और सहयोग की भावना को मजबूत करते हैं।

सी.टी. क्लब डिंडौरी ने वीर सावरकर 11 चांदपुर को 6 विकेट से किया पराजित

अमरपुर। जनपद पंचायत मुख्यालय अमरपुर में यंग स्टार स्पोर्ट क्लब अमरपुर के तत्वावधान में स्व. लोकमन साहू खेल मैदान में सांसद कप लेदर बॉल अमरपुर प्रीमियर लीग क्रिकेट प्रतियोगिता आयोजित किया गया हैं। जिसके तहत गुरुवार को वीर सावरकर 11 चांदपुर एवं सी.टी. क्लब डिंडौरी के मध्य मैच खेला गया। जिसमें टॉस जीतकर वीर सावरकर 11 चांदपुर ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 18.3 ओवरों में 117 रनों पर आल आउट हो गई। वीर सावरकर 11 चांदपुर के लिए बल्लेबाजी करते हुए जितेश शुक्ला के 25 गेंदों पर 5 चौके व 1 छक्के की मदद से शानदार 33 रनों की पारी खेली। इसके अलावा अपने टीम के लिए कप्तान दीपांशु शुक्ला एवं संदीप तेकाम 18-18 रन बनाए वहीं पर नीरज थापा 16 रन, निगम कुमार 12 रनों का महत्वपूर्ण योगदान दिया। सी.टी. क्लब डिंडौरी की ओर से गेंदबाजी करते हुए संतोष पंद्राम एवं बुधिया पट्टा ने 3, 3 विकेट लिए, वहीं राज सोनकर, विनय लखेरा व कमलेश परस्ते ने 1-1 विकेट अपने नाम किए। सी. की. क्लब डिंडौरी 118 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी और 16 ओवर में 6 विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर ली। सी. टी. क्लब डिंडौरी की ओर से प्रेम सिंह ने 29 गेंदों पर 6 चौकों की मदद से 33 रन, देवांश सोनी ने 23 गेंदों पर 4 चौकों की मदद से 24 रन एवं सुमित पटैल ने 21 गेंदों पर 3 चौकों की मदद से 22 रनों की नाबाद पारी खेली। वीर सावरकर 11 चांदपुर की तरफ से गेंदबाजी करते हुए लक्ष्मण परमार ने 3 विकेट, प्रवीण ने 2 विकेट एवं राहुल मरावी ने 1 विकेट अपने नाम किए। इस जीत के साथ सी. टी क्लब डिंडौरी ने अगले राउंड में प्रवेश किया।

मोटे अनाज के संरक्षण व प्रसार में प्रशासन करेगा हरसंभव सहयोग : कलेक्टर

डिंडौरी। कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदौरिया ने ग्राम पंचायत चाड़ा अंतर्गत ग्राम सिलपिड़ी में मोटे अनाज की ब्रांड एम्बेसडर सुश्री लहरी बाई के निवास पर पहुंचकर उनसे आत्मीय संवाद किया। इस अवसर पर मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत दिव्यांशु सहित प्रशासनिक अमला उपस्थित रहा। प्रशासनिक अधिकारियों को अपने निवास पर पाकर सुश्री लहरी बाई एवं उनके परिजनों ने प्रसन्नता व्यक्त की।कलेक्टर ने सुश्री लहरी बाई, उनके पिता सुखराम एवं माता श्रीमती चेती बाई बैगा के साथ जमीन पर बैठकर कुशलक्षेम जाना तथा मोटे अनाज (मिलेट्स) के संरक्षण, उत्पादन एवं उपयोग को लेकर विस्तार से चर्चा की।इस दौरान सुश्री लहरी बाई ने बताया कि उनका परिवार विगत तीन पीढ़ियों से मोटे अनाज की खेती करता आ रहा है। उन्होंने कहा कि उनकी दादी का सपना था कि मोटे अनाज की पहचान देशभर में बने और इसके उपयोग से लोगों का जीवन स्वस्थ हो। इस पर कलेक्टर ने आश्वस्त किया कि प्रशासन द्वारा उन्हें हरसंभव सहयोग प्रदान किया जाएगा और उनकी दादी का सपना अवश्य साकार होगा।निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने सुश्री लहरी बाई के घर में संचित मिलेट्स भंडार का अवलोकन भी किया। लहरी बाई ने जानकारी दी कि उनके पास मोटे अनाज की 152 प्रजातियां उपलब्ध हैं। वे आसपास के किसानों को एक किलो बीज उपलब्ध कराती हैं और फसल के बाद डेढ़ किलो अनाज वापस लेती हैं, जिससे किसानों पर कोई आर्थिक बोझ नहीं पड़ता और बीज निःशुल्क उपलब्ध हो जाता है।कलेक्टर ने इस अभिनव पहल की सराहना करते हुए कहा कि यह प्रयास न केवल मोटे अनाज के संरक्षण में सहायक है, बल्कि किसानों के आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। उन्होंने उपस्थित एनआरएलएम प्रबंधक को निर्देश दिए कि स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से शासकीय योजनाओं का लाभ दिलाकर लहरी बाई के कार्यों को और अधिक प्रोत्साहित किया जाए।कार्यक्रम के अंत में सुश्री लहरी बाई ने कहा कि उनके जीवन में पहली बार किसी महिला कलेक्टर का उनके घर आगमन हुआ है, जिसके लिए उनका परिवार हृदय से आभार व्यक्त करता है। वहीं कलेक्टर ने उपस्थित ग्रामवासियों एवं बच्चों से संवाद कर स्कूल एवं आंगनवाड़ी की जानकारी ली तथा अभिभावकों से बच्चों को नियमित रूप से स्कूल भेजने की अपील की।

मनरेगा, जनमन योजना व शिक्षा व्यवस्था को लेकर दिए सख्त निर्देश

कलेक्टर ने बजाग विकासखंड में निर्माण कार्यों व संस्थानों का किया निरीक्षण

डिंडौरी। कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदौरिया ने विकासखंड बजाग अंतर्गत विभिन्न ग्रामों में संचालित निर्माण कार्यों एवं शैक्षणिक संस्थानों का औचक निरीक्षण कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने ग्राम पथरिया, पंचायत बिलाईखार में मनरेगा योजना अंतर्गत लगभग 4 लाख रुपये की लागत से निर्माणाधीन खेत तालाब का अवलोकन किया। इस अवसर पर उन्होंने एसडीओ आरईएस एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत बजाग को निर्देशित किया कि निर्माण कार्य को गुणवत्तायुक्त ढंग से वर्षा ऋतु के पूर्व पूर्ण कराया जाए तथा सभी निर्धारित मापदंडों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाए।इसके पश्चात कलेक्टर ने जनमन योजना अंतर्गत ग्राम बावककोना एवं ग्राम तरच, ग्राम पंचायत भुरसी (बजाग) में निर्माणाधीन नवीन आंगनवाड़ी केंद्र का निरीक्षण किया। उन्होंने शौचालय, विद्युत व्यवस्था, पेंटिंग, गार्डन, फर्श एवं सीढ़ियों से संबंधित कार्य शीघ्र पूर्ण कराने के निर्देश दिए।आंगनवाड़ी केंद्र में उपस्थित कार्यकर्ता श्रीमती पुष्पलता सोलंकी से बच्चों के भोजन, पोषण आहार, शैक्षणिक गतिविधियों एवं शिक्षण व्यवस्था के संबंध में जानकारी लेते हुए कलेक्टर ने ठंड के मौसम को ध्यान में रखते हुए बच्चों की पढ़ाई व गतिविधियों का नियमित संचालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।इसी क्रम में कलेक्टर ने ग्राम पंचायत शीतलपानी में संचालित जनजातीय कन्या आश्रम का भी औचक निरीक्षण किया। यहां कक्षा पहली से पांचवीं तक अध्ययनरत बालिकाओं से संवाद कर उनकी शैक्षणिक स्थिति का आकलन किया तथा पुस्तकों का अवलोकन किया।कलेक्टर ने आश्रम अधीक्षक को निर्देश दिए कि योग्य छात्राओं को नवोदय विद्यालय प्रवेश परीक्षा एवं अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं की जानकारी देकर समय पर आवेदन भरवाए जाएं। साथ ही मेन्यू के अनुसार भोजन व्यवस्था, गर्म कपड़ों की उपलब्धता एवं नियमित शैक्षणिक गतिविधियों को सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।ठंड के मौसम को देखते हुए कलेक्टर ने सभी बच्चों को आवश्यकतानुसार गर्म कपड़े उपलब्ध कराने के सख्त निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर द्वारा बच्चों को चॉकलेट का वितरण भी किया गया।

हरिभूमि

नर्मदा भूमि

10

जबलपुर, शुक्रवार 9 जनवरी 2026

login : www.haribhoomi.com

करेली | तेंदूखेड़ा | श्रीधाम | सालीचौका | सुआतला | गाडरवारा | राजमार्ग | साईंखेड़ा | चीचली | करकबेल

फंदा बनाकर किया था शिकार

तेंदुए का शिकार करने वाले आरोपियों की जमानत खारिज

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर।

जिले के करेली वन परिक्षेत्र में आने वाली ग्वारीकला बीट के जंगल की तकरीबन दो वर्षीय एक मादा तेंदुए का शव क्लच वायर में फसा मिला था। घटना की खबर लगते ही वन विभाग के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे वहीं पेंच से विशेषज्ञों की टीम के साथ ही डॉग स्क्वायड बुलाकर जांच पड़ताल की गई।

प्रारंभिक जांच के बाद वन विभाग ने चार लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस ने जांच पड़ताल कर आरोपियों के विरूद्ध मामला पंजीबद्ध की न्यायालय मे प्रस्तुत किया गया। न्यायालय द्वारा आरोपियों की जमानत को खारिज कर दी गई। हालाकि अभी यह स्पष्ट नही हो सका है कि आरोपियों द्वारा

शिकार के लिए फंदा लगाया गया था या फिर अन्य जीवों से फसलों के बचाव के लिए।

मामला इस प्रकार

वन विभाग को सूचना प्राप्त हुई की करेली वन परिक्षेत्र की ग्वारी वीट में पेड़ो के बीच तेंदुए का शव फसा हुआ है। विभाग द्वारा मौके पर पहुंचकर जांच पड़ताल करते हुए डॉग स्क्वाड के माध्य से सर्चिंग कर आरोपियों की पतासाजी कर आरोपी नारायण पिता नन्हेंवीर ठाकुर उम्र 65 वर्ष, दुर्गाप्रसाद पिता उद्दालाल ठाकुर 55 वर्ष, रामभवन पिता अढ़ाईलाल ठाकुर 35 वर्ष, भवानी पिता चिंतामन ठाकुर उम्र 60 वर्ष सभी निवासी ग्राम खापा तहसील करेली, जिला नरसिंहपुर थाना कोतवाली भारतीय वन्य प्राणी संरक्षण अधिनियम 1972 की धारा 51(अ) के अंतर्गत वन्य प्राणी तेंदुए के शिकार में गिरफ्तार किये गये। सभी के विरूद्ध मामला पंजीबद्ध कर न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया जहां से उन्हे जेल भेज दिया गया। आरोपियों के तरफ से लगाई गई जमानत याचिका को खारिज कर दिया।

जमानत याचिका हुई खारिज

अभियोजन में बताया गया कि वन मंडल नरसिंहपुर के अंतर्गत वन परिक्षेत्र करेली के अंतर्गत वीट ग्वारीकलां के अंतर्गत आरोपीगण ने क्लिच वायर के तार का फंदा बनाकर अनुसूची 1 के दुर्लभ वन्य प्राणी तेंदुए का शिकार किया था। उपरोक्त प्रकरण में वन विभाग के द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए आरोपीगण को तत्काल कार्यवाही करते हुए गिरफ्तार किया गया, पूंछतांछ में आरोपीगण ने जुर्म स्वीकार कर लिया है। आरोपीगण की जमानत याचिका खारिज होने पर प्रभारी उप निदेशक संचालनालय अभियोजन नरसिंहपुर रामकुमार पटेल एवं वन मण्डल अधिकारी नरसिंहपुर डॉ. कल्पना तिवारी ने वन परिक्षेत्र अधिकारी शिवराज कन्नौजिया एवं उप वन मंडल अधिकारी सुनील कुमार वर्मा एवं सहा. वन परिक्षेत्र अधिकारी सुरेन्द्र सिंह राजपूत के द्वारा की गई विधि अनुरूप जांच कार्यवाही की प्रशंसा की है। आरोपियों की जमानत याचिका खारिज कर दी गई।

शिकार या बचाव, नही चल सका पता

ग्वारी बीट मे हुए तेंदुए के शिकार के मामले मे वन विभाग या पुलिस की ओर से कोई जानकारी साझा नहीं की गई है। पकड़े गए आरोपियों द्वारा फंदा शिकार करने के उद्देश्य ये लगाया था या फिर खेत मे आने वाले जंगली सुअर आदि वन्य जीवों से फसलों को बचाने के लिए लगाया गया था। यह तो आरोपियो से पूछताछ के दौरान ही सिद्ध हो सकता था। आशंका व्यक्त की जा रही है कि खेतों में पहुंचने वाले जंगली सूअरों से फसलों को बचाने कई ग्रामीण तारों का फंदा बना देते हैं। जिसमें तेंदुआ फस गया होगा या फिर शिकार की मंशा से ही तेंदुए के लिए क्लच वायर का फंदा लगाया गया होगा। आरोपियों के अपराध को गंभीर मानते हुए न्यायालय द्वारा जमानत याचिका खारिज कर दी गई।

खबर संक्षेप

निशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन

नरसिंहपुर। कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह के निर्देशन में आयुष्मान आरोग्य मंदिर बचई के द्वारा पीवीटीजी बाहुल्य ग्राम अगरिया में कोल जनजाति के लिए निशुल्क आयुर्वेद चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। शिविर के दौरान कोल जनजाति के ग्रामीणों को दिनचर्या तथा ऋतुचर्या का पालन करने और स्वास्थ्य जीवन शैली अपनाने के लिए प्रेरित किया। शिविर में एचबी, डायबिटीज एवं उच्च रक्तचाप की निशुल्क जांच की गई और उन्हें औषधियों का वितरण भी किया गया।

चाइनीज व कांच की परत वाले मांजा का उपयोग व विक्रय प्रतिबंध

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। जिला दंडाधिकारी श्रीमती रजनी सिंह ने नरसिंहपुर जिले की राजस्व सीमाओं में पतंग उड़ाने में चायनीज मांजा का उपयोग पूर्णत प्रतिबंधित किया है। जिले में पतंग उड़ाने के लिए केवल सादा धागा ही विक्रय किया जावे। जिले में चायनीज मांजा कांच की परत वाला मांजा विक्रय पूर्णत प्रतिबंधित किया गया है। यह प्रतिबंध आमजन के हित जानमाल की सुरक्षा के लिए भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 (1) के अंतर्गत प्रावधानों के तहत किया है। इस आदेश का उल्लंघन करने वाले व्यक्तियों एवं पतंग बिक्री दुकानदारों के विरूद्ध भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 223 एवं अन्य युक्तियुक्त प्रावधानों के अंतर्गत वैधानिक कार्यवाही की जावेगी। उल्लेखनीय है कि जिले में मकर संक्रांति के त्यौहार पर कुछ समुदायों द्वारा पतंग उड़ाने की प्रतियोगिता आयोजित की जा रही है। साथ ही बच्चों व्यक्तियों द्वारा पतंग उड़ाई जा रही है, जिसमें उपयोग किये जाने वाले धागे में मांजा का उपयोग किया जा रहा है, जिससे पतंग के धागे से लोगों के हाथ एवं शरीर के अंगों के कट जाने तथा सड़क दुर्घटनाओं की आशंका बनी रहती है और जानलेवा घटना घटित हो सकती है। जिले में इस प्रकार की घटनाओं को रोकने के लिए यह प्रतिबंध लगाया गया है।

गोटेगांव में युवक कांग्रेस का विरोध प्रदर्शन आज

गोटेगांव। युवा कांग्रेस ने जानकारी दी बताया कि इंदौर में नगर निगम की घोर लापरवाही के कारण गंदा पानी पीने की पाइपलाइन में मिलने से 15 से अधिक नागरिकों की दुखद मृत्यु एवं 150 से अधिक लोगों के गंभीर रूप से बीमार होकर अस्पताल में भर्ती होने की घटना, शासन की असफलता को उजागर करती है।उक्त गंभीर मामले में जब एनडीटीवी के पत्रकार द्वारा जनहित से जुड़े सवाल पूछे गए, तो मध्यप्रदेश शासन के केबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय द्वारा की गई असंवेदनशील एवं अभद्र टिप्पणी लोकतांत्रिक मूल्यों और पत्रकारिता की मर्यादा के खिलाफ है।विरोध में युवा कांग्रेस गोटेगांव द्वारा मंत्री कैलाश विजयवर्गीय का पुतला दहन कर उनके इस्तीफे की माँग की जाएगी। कार्यक्रम दिनांक 09/01/2026 को समय दोपहर 1:30 बजे से फुहारा चौक गोटेगांव किया जाएगा।

भक्तों को आनंद प्रदान करने अवतार लेते हैं भगवान - शिव ओम शास्त्री

तेंदूखेड़ा। जब जब धरती पर अधर्म बढता है पापाचार दुराचार बढ़ने लगता है तब तब धर्म की विधिवत स्थापना के लिए अपने भक्तों को आनंद प्रदान करने के लिए भगवान अवतार लेते हैं

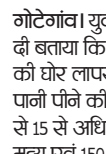

।उक्त उद्गार समीपी ग्राम हीरापुर में प्रतिष्ठित चौकसे परिवार द्वारा आयोजित श्रीमद् भागवत साप्ताहिक ज्ञान यज्ञ में कथा व्यास पं शिव ओम कृष्ण शास्त्री ने व्यक्त किए। कथा व्यास ने बताया कि सृष्टि विषयक व्याख्यान में महाराज मनु के द्वितीय पुत्र प्रियव्रत जी के वंश का वर्णन करते हुए वृत्रासुर का चरित्र प्रहलाद चरित्र सदाचार वर्णाश्रम धर्म नारी धर्म गज ग्राह चरित्र समुद्र मंथन बलि वामन संवाद सूर्यवंश चंद्रवंश का वर्णन किया।

जनसुनवाई में सुनी आम जनों की समस्या

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर।

विधानसभा क्षेत्र के लोकप्रिय पूर्व राज्यमंत्री जालम सिंह पटेल द्वारा हर गुरुवार को विधायक निवास पर आयोजित की जाने वाली जनसुनवाई में इस सप्ताह कुल 247 आवेदन प्राप्त हुए। अपने-अपने प्रकरण लेकर पहुंचे आमजन की समस्याओं को ध्यानपूर्वक सुनते हुए श्री पटेल ने संबंधित विभागीय अधिकारियों को तत्काल निर्देश दिए और कई मामलों का मौके पर ही समाधान कराया जनता और जनप्रतिनिधि के बीच संवाद का यह सशक्त मंच ग्रामीण अंचलों के लोगों के लिए बड़ी उम्मीद बन चुका है। लोग अपनी समस्याओं को लेकर बिना किसी हिचक के पहुंचते हैं और उनके त्वरित निराकरण से संतुष्ट होकर वापस लौटते हैं। उक्त जानकारी देते हुए विधायक मीडिया प्रभारी वैभव नेमा ने बताया कि जनसुनवाई में 247 आवेदनों की प्राप्ति हुई इस अवसर पर प्रशासनिक अधिकारी गणमान्य नागरिक सहित अनेक समाजसेवी जन मौजूद रहे।

सीईओ पहुंचे धरना स्थल, कांग्रेस ने खत्म किया धरना

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर।

बरमान रेत घाट के मामले को लेकर जिला कांग्रेस अध्यक्ष सुनीता पटेल के नेतृत्व में नरसिंह भवन परिसर में चल रहा धरना चौथे दिन खत्म हो गया। गुरुवार की सुबह जिला पंचायत सीईओ गजेंद्र सिंह ने धरना स्थल पहुंचकर जिला कांग्रेस अध्यक्ष श्रीमती सुनीता पटेल से चर्चा करते हुए कहा कि बरमान में घटित घटना का उन्हें अफसोस है और वे इसके लिए खेद व्यक्त करते हैं साथ ही जिला पंचायत सीईओ ने सभी से बरमान के अलावा सभी नर्मदा घाटों को स्वच्छ और साफ रखने की अपील करते हुए सभी से बरमान मेले में रचनात्मक सहयोग करने का

अनुरोध किया। जिला पंचायत सीईओ से मुलाकात के बाद जिला कांग्रेस अध्यक्ष सुनीता पटेल ने कांग्रेस के कार्यकर्ताओं, पदाधिकारियों एवं ब्राह्मण और मांझी समाज के लोगों से लोगों से चर्चा के बाद धरना समाप्त करने की घोषणा की। इस मौके पर श्रीमती सुनीता पटेल ने कहा कि इस आंदोलन में सभी का सकारात्मक सहयोग कांग्रेस पार्टी को मिला। यही कारण है कि इस संघर्ष में हमारा मनोबल बढ़ा रहा। आपने मीडिया सहित सभी के प्रति आभार व्यक्त किया। धरना स्थल पर सनातन ब्राह्मण समाज एवं मांझी समाज के लोगों द्वारा श्रीमती पटेल को शाल श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया गया।

श्री शिव महापुराण कथा का आयोजन 13 तक

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर।

नगर के विपतपुरा क्षेत्र मे श्री राम गली में संगीतमय श्री शिव महापुराण कथा का आयोजन 7 जनवरी से 13 तक किया जा रहा है। कथा व्यास अंकित जी महाराज के मुखारविंद से भगवान शिव की कथाओं वर्णन सुनाया जा रहा है। प्रतिदिन प्रातः 11 बजे को दोपहर 1 बजे तक रुद्राभिषेक, पुराण पूजन एवं अन्य वैदिक अनुष्ठान किया जा रहा है। उक्त आयोजन यह आयोजन समस्त ग्रामवासियों के सहयोग से किया जा रहा है। आयोजक मंडल द्वारा समस्त

ग्राम एवं नगर वासियो से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर धर्म लाभ लेने की अपील की गई है।

जनपद काम्पलेक्स में लगाया गया जैविक हाट बाजार

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर।

जिला मुख्यालय स्थित सुभाष पार्क के पास जनपद काम्पलेक्स में जैविक हाट बाजार लगाया गया। उक्त जैविक हाट बाजार में जैविक प्राकृतिक उत्पादन करने वाले कृषक, एफपीओ, स्वसहायता समूह, उपभोक्ता, कृषि विभाग, आत्मा, उद्यानिकी सहित अन्य अधिकारी- कर्मचारी मौजूद थे। जैविक हाट बाजार में जैविक फल जैसे पपीता, अमरूद, नींबू आदि, जैविकध प्राकृतिक सब्जियों में

ककड़ी, मटर, बरबटी, पालक, मैथी, लाल भाजी, लौकी, तुरई, वैगन, अदरक, टमाटर, आलू, शकरकंद आदि, जैविक अनाज में गेहूं, चना, अरहर, उड़द, मूंग दाल, जैविक चावल, गुड़, बिनोला घी और प्राकृतिक खाद, वर्मी कम्पोस्ट खाद आदि की विक्रय के लिए प्रदर्शनी लगाई गई। जिले के समस्त कृषकों, स्वसहायता समूहों, एफपीओ को उचित दाम मिल सके, इसके लिए सप्ताह में दो दिवस सोमवार एवं गुरूवार को यह हाट बाजार लगाया जा रहा है।

कलेक्टर एवं एसपी ने किया केन्द्रीय जेल का औचक निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर।

विगत दिवस कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह और पुलिस अधीक्षक डॉ. ऋषिकेश मीणा ने केन्द्रीय जेल नरसिंहपुर का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने जेल में बंदी बैरिकों, जेल अस्पताल, भोजन व्यवस्था, बंदियों के कौशल उन्नयन के लिए संचालित कपड़ा उद्योग, लौह उद्योग, बढ़ई कारखाना, पावरलूम, प्रिंटिंग प्रेस, सिलाई कारखाना, शिक्षा सदन पाठशाला, लायब्रेरी आदि का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान जेल में निरुद्ध बंदियों हवालातियों से चिकित्सा सुविधा, साफ- सफाई, भोजन, शासन द्वारा प्रदत्त सुविधाओं के संबंध में जानकारी ली। बंदियों को अच्छे कार्यों एवं नया हुनर सीखने में अपना समय लगाने की सलाह दी, जिससे वे रिहा होने के पश्चात अच्छे सामाजिक नागरिक बनकर अपना जीवनयापन कर सकें और समाज में अच्छा स्थान पाकर पुनर्स्थापित हो सके। महिला बंदियों से स्वास्थ्य, भोजन, मुलाकात एवं प्रशिक्षण के संबंध में जानकारी ली।

जिला फाटक पर चल रहा निर्माण कार्य, लोगों के लिए बना मुसीबत

सुव्यवस्थित वैकल्पिक मार्ग की मांग के साथ-साथ जिला फ़ाटक मार्ग चालू कराने की मांग

गोटेगांव

मुख्य मार्ग पर स्थित जिला फाटक रेलवे फाटक पर निर्माणाधीन रेलवे ब्रिज अब आम जनता के लिए किसी मुसीबत से कम साबित नहीं हो रहा है। लगभग दो वर्षों से कछुआ गति से चल रहा यह निर्माण कार्य अब लोगों के सब्र का बांध तोड़ रहा है। रेलवे प्रशासन द्वारा पूर्व में सूचना दी गई थी कि फाटक का कार्य 28 दिसंबर तक पूर्ण कर इसे आवागमन के लिए खोल दिया जाएगा, लेकिन तय समय सीमा बीतने के 10 दिन बाद भी आज 7 जनवरी तक फाटक बंद है। इस लेटलतीफी के कारण गोटेगांव और नरसिंहपुर के बीच का मुख्य संपर्क कटा हुआ है, जिससे हजारों ग्रामीणों और राहगीरों को

भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। सबसे अधिक परेशानी स्कूल जाने वाले बच्चों, गंभीर मरीजों और व्यापारियों को हो रही है, जिन्हें मजबूरी में लंबा चक्कर काटकर गंतव्य तक पहुंचना पड़ रहा है। रेलवे प्रशासन की संवेदनहीनता का आलम यह है कि इस व्यस्ततम मार्ग को बंद करने के बावजूद कोई भी आधिकारिक वैकल्पिक डायवर्सन मार्ग तय नहीं किया गया है। वर्तमान में पूरा यातायात बड़ौदा रोड वाले दूसरे फाटक की ओर शिफ्ट हो गया है, जो पहले से ही जर्जर स्थिति में है। उस मार्ग पर दबाव बढ़ने से वहां भी आए दिन जाम और दुर्घटनाओं की स्थिति निर्मित हो रही है। ग्रामीणों का कहना है कि रेलवे और ठेकेदार की लापरवाही का खामियाजा आम जनता भुगत रही है। क्षेत्रवासियों ने चेतावनी दी है कि यदि अविलंब फाटक चालू नहीं किया गया या सुव्यवस्थित वैकल्पिक मार्ग की व्यवस्था नहीं की गई, तो वे उग्र आंदोलन के लिए बाध्य होंगे।

गोटेगांव से ग्राम पंचायत बड़ौदा को जोड़ने वाली सड़क पूरी तरह गड्ढों में तब्दील

गोटेगांव। गोटेगांव से ग्राम पंचायत बड़ौदा को जोड़ने वाला मुख्य संपर्क मार्ग वर्तमान में अपनी बदहाली पर आंसू रो रहा है। शासन-प्रशासन की अनदेखी के चलते यह महत्वपूर्ण सड़क पूरी तरह गड्ढों में तब्दील हो चुकी है, जिससे स्थानीय निवासियों और राहगीरों को जान जोखिम में डालकर सफर करना पड़ रहा है। उल्लेखनीय है कि नरसिंहपुर मुख्य मार्ग पर रेलवे ब्रिज का निर्माण कार्य चलने के कारण अधिकांश यातायात को इसी मार्ग पर डायवर्ट किया गया है, जिससे वाहनों का दबाव कई गुना बढ़ गया है और सड़क की स्थिति और भी बदतर हो गई है। जगह-

जगह हुए गहरे गड्ढों में पानी और कीचड़ जमा होने से यह मार्ग तालाब जैसा नजर आने लगा है। सबसे खराब स्थिति रेलवे फाटक के समीप बनी हुई है, जहाँ सड़क पर बड़े-बड़े गड्ढों के कारण आए दिन वाहन फंस रहे हैं और घंटों जाम की स्थिति निर्मित हो रही है। इन गड्ढों की गहराई का अंदाजा न होने के कारण दोपहिया वाहन चालक लगातार गिरकर चोटिल हो रहे हैं। स्कूली बच्चों, मरीजों और दैनिक यात्रियों के लिए यह मार्ग अब शारीरिक और मानसिक प्रताड़ना का केंद्र बन गया है। स्थानीय ग्रामीणों ने ग्राम पंचायत बड़ौदा और संबंधित विभागीय अधिकारियों के प्रति गहरा आक्रोश व्यक्त करते हुए कहा कि जब इस सड़क का उपयोग प्रमुख वैकल्पिक मार्ग के रूप में हो रहा है, तो इसकी मरम्मत को प्राथमिकता क्यों नहीं दी जा रही है। ग्रामीणों ने प्रशासन से जल्द सड़क सुधार की मांग की है और चेतावनी दी है कि यदि शीघ्र कार्य शुरू नहीं हुआ, तो वे उग्र आंदोलन के लिए बाध्य होंगे।

ऑनलाइन उपस्थिति दर्ज न होने के कारण परेशान दिखे शिक्षक

तेंदूखेड़ा। गुरुवार को शासकीय स्कूलों में शिक्षकों की शत प्रतिशत उपस्थिति के लिए ऑनलाइन उपस्थिति का हमारे शिक्षक ऐप्स के माध्यम से ऑनलाइन उपस्थिति दर्ज ना हो पाने के कारण शिक्षक परेशान देखे गए। जब से यह प्रक्रिया चालू की गई है तब से लेकर आज तक हर समय शिक्षक शासकीय शाला के सभी काम काज छोड़कर सिर्फ अपनी उपस्थिति दर्ज करने में व्यस्त देखे जाते हैं। और गुरुवार को भी हमारे शिक्षक ऐप्स में विसंगति होने के कारण किसी भी शिक्षक की ऑनलाइन उपस्थिति दर्ज नहीं हो पाई है। जिसके कारण सभी शिक्षक अपने सभी काम छोड़कर सिर्फ मोबाइल में अपनी हाजिरी लगाने में व्यस्त देखे गए। वहीं दूसरी ओर स्थाई शिक्षकों की हाजिरी न डलने के कारण भी पूर्ण वेतन शासन द्वारा उनको प्रदान किया जाता है। वही अतिथि शिक्षकों द्वारा यदि अपनी ऑनलाइन उपस्थिति समय पर दर्ज नहीं की जाती है। तो उनका उस कार्य दिवस का मानदेय नहीं दिया जाता है। जिस कारण अतिथि शिक्षकों के साथ शिक्षकों में रोष व्याप्त हो रहा है। सभी शिक्षक वर्ग द्वारा इस प्रक्रिया को बंद करने के लिए अनेकों बार ज्ञापन समाचार पत्रों के माध्यम और भोपाल में भी सांकेतिक आंदोलन के माध्यम से विरोध दर्ज करा चुके हैं। लेकिन शासन द्वारा इस ओर ध्यान नहीं दिया जा रहा है। वहीं सभी शिक्षकों को अपने पर्सनल डाटा लीक होने का डर हर समय सता रहा है। प्रदेश सरकार द्वारा 1 जनवरी से स्थाई शिक्षकों के लिए सीएल में 13 दिन ईएल में 10 दिन प्रतिवर्ष और एक वर्ष में अधिकतम 300 दिन वहीं महिलाओं के लिए भी मातृत्व अवकाश चाइल्ड केयर लीव आदि की सुविधा हमारे शिक्षा ऐप्स पर प्रदान की गई है। शासकीय सेवा में सेवा देने वाले अतिथि शिक्षकों के लिए मध्यप्रदेश सरकार द्वारा किसी भी तरह की कोई सुविधा हमारे शिक्षा ऐप्स में प्रदान नहीं की गई है। जिस कारण से अतिथि शिक्षकों में भी भारी रोष व्याप्त है। शिक्षक स्कूल जाकर बच्चों की पढ़ाई लिखाई को छोड़ सिर्फ अपने निजी कार्यों में व्यस्त देखे जाते हैं। जिस कारण बच्चों की परीक्षा जैसे महत्वपूर्ण समय पर ऐसी विसंगतियां उत्पन्न होना एक बहुत बड़ा सवाल खड़ा करता हैं। शिक्षकों ने मांग की है कि शासन हमारे शिक्षा ऐप्स में शीघ्रता से सुधार करें।